RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, शनिवार ●06 अप्रैल , 2024 वर्षः-11 अंकः- 338 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

संक्षिप्त समाचार

आप नेता मनीष सिसोदिया बोले-जल्दी ही बाहर मिलेंगे

● जमानत पर सुनवाई से एक दिन पहले चिट्ठी सामने आई, कहा-लव यू ऑल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति केस में 26 फरवरी 2023 से जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने तिहाड़ से अपने विधानसभा क्षेत्र पटपड़गंज के लोगों को चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने कहा- जल्द ही बाहर मिलेंगे। शिक्षा क्रांति जिंदाबाद, लव यू ऑल। मनीष सिसोदिया ने यह चिट्ठी 15 मार्च को लिखी थी। हालांकि, आम आदमी पार्टी ने इसे अपने एक्स प्लेटफॉर्म पर आज 5 अप्रैल को जारी किया। सिसोदिया ने कहा- अंग्रेजों को

भी अपनी ताकत का बहुत ज्यादा घमंड था। अपनी सत्ता के दम पर वे जिसे चाहते उस पर झूठे आरोप लगाकर जेल में डाल देते थे। सिसोदिया ने कहा- जिस तरह अंग्रेजों की तानाशाही के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़कर आजादी का सपना सच हुआ था। उसी तरह देश के हर एक बच्चे को अच्छी शिक्षा मिलने का सपना भी जरूर पूरा होगा। सिसोदिया की जमानत पर 6 अप्रैल को राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई होनी है। अंग्रेजों ने सत्ता के अहंकार में डूबकर गांधी जी को भी कई बार, कई वर्षों तक जेल में डालकर रखा था, लेकिन इतिहास गवाह है कि महात्मा गांधी जैसे संत पर झूठे आरोप लगाना उन्हें कितना भारी पड़ा।

पूर्व सीएम शिवराज बोले-पीसीसी चीफ जीतू पटवारी जादूगर

● कहा-जीतू न जाने कैसा जादू करते हैं सब गायब हो जाते हैं, छिंदवाड़ा वाले गायब होते-होते रह गए

भोपाल। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार सुबह चुनाव प्रचार पर जाने से पहले भोपाल में अपने निवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कांग्रेस पर कई आरोप लगाए। शिवराज ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर कटाक्ष करते हुए कहा- वे न जाने कैसा जादू करते हैं सब गायब हो जाते हैं। छिंदवाड़ा वाले गायब होते-होते रह गए। इससे पहले पूर्व सीएम शिवराज ने कहा-

कांग्रेस के नेता बार-बार ये रट लगा रहे है कि लोकतंत्र खतरे में है। कांग्रेस आरोप लगा रही है कि सरकार हमारे नेताओं को जेल भेज रही है। मैं कांग्रेस से पूछता हूं कि जब मैं 17 साल का था तब मुझे जेल भेजा गया था, तब किसने लोकतंत्र की हत्या की थी। पहले नेता कितना बड़ा भी भ्रष्टाचार कर दे उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती थी। लोगों के बीच ये धारणा बन गई थी, लेकिन पीएम मोदी के राज में जो कोई अपराध करेगा वो जेल जाएगा। शिवराज सिंह ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे अजीबोगरीब बयान दे रहे है। राहुल गांधी कह रहे है कि यदि बीजेपी आई तो देश जल जाएगा। उन्हें बताना चाहिए कि क्या कांग्रेस देश को जलाएंगी।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 को लगे पलीते...

रजिस्ट्रेशन की तारीख को लेकर सैकड़ों ट्रेनिंग पार्टनर और लाखों छात्र हो रहे प्रभावित, सेक्रेटरी नहीं दे रहे ठोस जवाब

दैनिक सदभावना पाती
पूनम शर्मा / विनय वर्मा

दिल्ली/इंदौर। रोजगार के घरेलू और अंतरराष्टीय अवसर के लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने के मकसद से प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 शुरू की गई थी, जिसमें देशभर के लगभग 800 ट्रेनिंग पार्टनरों के माध्यम से लगभग 47 लाख छात्रों को योजना का लाभ मिलना था पर कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (मिनिस्ट्री ऑफ़ स्किल डेवलॅपमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप) की लापरवाही से योजना खटाई में जाती दिख रही है। मंत्रालय द्वारा रजिस्ट्रेशन की समय सीमा नहीं बढ़ाने से इस योजना को पलीता लग रहा है जिसके कारण लाखों छात्रों के साथ ट्रेनिंग पार्टनरों को करोड़ों रुपयों का आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है।

दरअसल मिनिस्ट्री ऑफ़ स्किल डेवलॅपमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप द्वारा छात्रों के इनरोलमेंट की समय सीमा 15 मार्च 2024 दी गई थी जबकि ट्रेनिंग पार्टनर को अलॉटमेंट का आवंटन ही 10 से 15 मार्च को हुआ इस कारण इस तारीख को 15 दिन आगे बढ़ाते हुए 31 मार्च 2024 अंतिम दिनांक तक कर दी गई, सिर्फ 15 दिन में हजारों छात्रों का प्रवेश, केवायसी, इनरोलमेंट इत्यादि संभव ही नहीं है।

ऐसी स्थिति में ट्रेनिंग पार्टनरों ने अपने इंफ्रास्ट्रक्चर, लैब, इक्विपमेंट, स्टाफ आदि में लाखों रूपये फंसा दिए हैं यदि इस तारीख में बदलाव नहीं होता है तो पूरे देश के सैकड़ों ट्रेनिंग पार्टनर का करोड़ों रुपयों का डूबना तय है और प्रवेशित लाखों छात्रों के समय का नुकसान होगा।

पूरे देश में अभी तक 200 से अधिक ट्रेनिंग पार्टनर इस सम्बन्ध में मंत्रालय से ईमेल, शिकायतों और सीधे अधिकारीयों से संपर्क कर चुके हैं पर उन्हें किसी भी स्तर से संतुष्टि का जवाब नहीं मिला है। सूत्रों के अनुसार हजारों की संख्या में ईमेल विभाग के केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और मंत्रालय के जिम्मेदारों को किये गए हैं पर कोई जवाब नहीं मिल रहा है, दर्जनों ट्रेनिंग पार्टनर मंत्रायल में दर दर ठोकर खा रहे हैं।

इंदौर में है लगभग 15 PMKVY के ट्रेनिंग पार्टनर-

इंदौर में PMKVY के लगभग 15 ट्रेनिंग पार्टनर हैं जिनको लगभग 20000 छात्रों को ट्रेनिंग के अलॉटमेंट का आवंटन हुआ है।

क्या है योजना -

PMKVY के तहत देश के बेरोजगार युवा अपनी इच्छा अनुसार इलेक्ट्रॉनिक एवं हार्डवेयर, कंस्ट्रक्शन, फर्नीचर और फिटिंग, प्रोसेसिंग, हैंडीक्राफ्ट, जेम्स एवं ज्वेलरी और टेक्नोलॉजी जैसे करीब 60 से अधिक तकनीकी क्षेत्र आदि में प्रशिक्षण के विकल्प चुन सकता है और अपने नजदीकी PMKVY केंद्र में फ्री प्रशिक्षण प्राप्त कर सकता है।

इस सन्दर्भ में जब दैनिक सदभावना पाती ने मंत्रालय में संपर्क करने की कोशिश की तो किसी ने फ़ोन नहीं उठाया

उन्हें लगता है कि राम का नाम लिया तो राम-राम न हो जाए

मोदी बोले-कांग्रेस ने राम मंदिर पर एडवाइजरी जारी की, अपने लोगों से मुंह पर ताला लगाने को कहा

चूरू (एजेंसी)। राजस्थान के चूरू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते 10 साल में हमने कई काम किए हैं, लेकिन ये बहुत कम है। अभी तक जो मोदी ने किया है, वो तो सिर्फ बड़ी होटलों में मिलने वाला स्टार्टर (एपेटाइजर) है, अभी तो खाने की पूरी थाली बाकी है। उन्होंने तीन तलाक पर कहा कि यह कानून हमारी मुस्लिम बहनों की मदद कर रहा है। वे यह समझें कि यह तीन तलाक आपके जीवन पर तो खतरा था ही, मोदी ने आपकी रक्षा तो की है, लेकिन मोदी ने हर मुस्लिम परिवार की भी रक्षा की है। प्रधानमंत्री ने राममंदिर, भ्रष्टाचार और परिवारवाद पर कांग्रेस व विरोधियों को घेरा। पीएम ने कहा कि कांग्रेस ने तो राममंदिर पर एडवाइजरी जारी की है। अपने लोगों से मुंह पर ताला लगाने को कहा है। उन्हें लगता है कि भगवान राम पर कुछ बोला तो कहीं राम-राम न हो जाए। चूरू से भाजपा ने पैरालंपियन देवेंद्र झाझड़िया को उतारा है। वहीं, कांग्रेस ने भाजपा छोड़कर हाल ही में पार्टी का दामन थामने वाले राहुल कस्वां को टिकट दिया है। मोदी ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से कहा- मैं सार्वजनिक रूप से आपसे प्रार्थना करता हूं। चुनाव का समय है। सबके अपने काम है। इनके मन में रहता है कि प्रधानमंत्री आएं और हम नहीं जाएंगे तो कैसा लगेगा। मैं इनसे कहना चाहता

हूं कि आप मेरी चिंता छोड़ दीजिए। मेरे हर कार्यक्रम में वरिष्ठ नेताओं को दौड़ने की जरूरत नहीं है। कोई छोटा कार्यकर्ता भी रहेगा तो चलेगा। मोदी भी छोटा है, उसके बगल में ही बैठ जाएगा। मोदी ने कहा कि आपमें से बहुत कम लोगों को पता है कि देवेंद्र झाझड़िया और मेरा बहुत पुराना नाता है। मैं जब पहली बार उनसे मिला तो उनकी मां की बातें मेरे मन को छू गई। मुसीबतों से गुजारा करने वाली मां अपने बेटे को देश की सेवा के लिए प्रेरित करती है। देवेंद्र ने भारत का सम्मान बढ़ाया है। देवेंद्र को टिकट देने के पीछे मोदी का मकसद यही था कि गरीब मां के सपने पूरे होने चाहिए। हिंदुस्तान के खेल जगत के बेटे-बेटियों को प्रोत्साहन मिले। इसका प्रतीक देवेंद्र झाझड़िया है। देवेंद्र ने सिर्फ गरीबी से लड़ाई नहीं लड़ी, दुनिया में देश का डंका बजाया। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के एक सांसद के घर से 300 करोड़ रुपए मिले हैं और क्या-क्या होगा वो अभी बाकी है। ईडी ने दस साल में भ्रष्टाचारियों से एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति जब्त की है। ऐसे लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए, ऐसे लोगों की जिंदगी जेल में बीतनी चाहिए। मैं इन परिवारवादियों से कहना चाहता हूं कि कितने भी झूठ फैला हो, मोदी डरने वाला नहीं है। कांग्रेस सिर्फ अपना हित देखती है।

यूपी के मदरसों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर लगा दी रोक

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी मदरसा एक्ट 2004 रद्द करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को अहम सुनवाई हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें यूपी मदरसा एक्ट को असंवैधानिक बताया गया था। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच ने केंद्र, उत्तर प्रदेश सरकार और अन्य को हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिकाओं पर नोटिस जारी किए हैं। तीन जजों की बेंच ने कहा, मदरसा बोर्ड का उद्देश्य और कार्य विनियमन से जुड़ा है और इलाहाबाद हाईकोर्ट यह मानने में प्रथम दृष्टया सही नहीं है कि बोर्ड की स्थापना से धर्मनिरपेक्षता का उल्लंघन होगा। पीठ में जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल थे। यूपी मदरसा एक्ट को रद्द करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान मदरसा बोर्ड की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी पेश हुए थे। सुनवाई के दौरान सिंघवी ने कहा कि हाईकोर्ट का यह अधिकार नहीं बनता है कि वह इस अधिनियम को रद्द करे। पिछले महीने, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन बताया था। जस्टिस विवेक चौधरी और जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की पीठ ने यूपी सरकार से कहा था कि वह मदरसों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए एक औपचारिक शिक्षा प्रणाली के लिए प्लानिंग करे।

यानि कि कोर्ट ने कहा कि मदरसों के सभी स्टूडेंट्स को स्कूलों में डाल दिया जाए। हाईकोर्ट के इस फैसले का बाद काफी विवाद हुआ था और इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया गया था। सिंघवी ने कहा कि हाईकोर्ट ने कहा है अगर आप कोई धार्मिक विषय पढ़ाते हैं तो यह धार्मिक विश्वास प्रदान कर रहा है। यह धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ है। आज के दौर में गुरुकुल काफी फेमस हैं, क्योंकि वह काफी अच्छा काम कर रहे हैं। उन्होंने अपने पिता का उदाहरण देते हुए कहा कि उनके पास भी एक डिग्री है तो क्या उसे भी पूरी तरह से बंद कर देना चाहिए और कह देना चाहिए कि यह हिंदू धार्मिक शिक्षा है। यह सब क्या है। सिंघवी ने आगे दलील देते हुए कहा कि क्या यह 100 साल पुराने शासन को समाप्त करने का आधार है। सिघंवी ने आगे तर्क देते हुए कहा कि शिमोगा जिले में एक ऐसा गांव है, जहां पूरा गांव ही संस्कृत भाषा बोलता है और ऐसी कुछ संस्थाएं भी मौजूद हैं।

प्रदेश के ग्वालियर के ठगों का दुबई से जुड़ा है तार

● अमेरिका की होम लैंड सिक्योरिटी टीम आरोपियों से कर रही पूछताछ

भोपाल। कॉल सेंटर के जरिए विदेशियों को ठगने वाली गैंग के बारे में पता लगाने के लिए अमेरिका की होम लैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट एजेंसी की टीम ग्वालियर पहुंची है। एसपी कार्यालय पहुंचकर जांच एजेंसी की टीम ने ठग गिरोह के बारे में इनपुट लिया है। अब ग्वालियर पुलिस के साथ मिलकर आरोपियों से भी पूछताछ करेगी। दरअसल, झांसी रोड थाना पुलिस ने बीते दिनों माधवनगर स्थित एक होटल आशीर्वाद के रूम नंबर 204 से सात ठगों की गैंग पकड़ी थी। यह सातो लोग माइक्रो सॉफ्ट कंपनी के कर्मचारी बनकर अमेरिका के लोगों को फोन कर उनके कम्प्यूटर, लैपटॉप में वायरस होना बताकर फंसाते थे। पकड़े गए फ्रॉडस्टर अब बता रहे हैं कि उन्हें अमेरिका के लोगों के नंबर दुबई में बैठा सरगना मोटी सिकरवार वॉट्सअप ग्रुप पर मुहैया कराता था।

मोटी सैलरी और हर ठगी पर है 5 टका कमीशन

पकड़े गए ठगों ने पूछताछ के दौरान बताया कि उन्हें एक

कॉल पर टीम मेंबर को 5 प्रतिशत कमीशन, 25 से 30 हजार की महीने की सैलरी मिलती थी। ज्यादा पैसा कमाने के लिए गैंग दनादन फोन कॉल करता था।

कांग्रेस के घोषणा पत्र में 5 न्याय, 25 गारंटी

● 400 रुपए मजदूरी, गरीब महिलाओं को सालाना 1 लाख

● किसानों को एमएसपी कानून और जाति जनगणना का वादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने शुक्रवार को 2024 लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में अपना घोषणापत्र जारी किया। इस दौरान पार्टी अध्यक्ष खड़गे, सोनिया, राहुल और मेनिफेस्टो कमेटी के अध्यक्ष पी. चिदंबरम मौजूद थे। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने शुक्रवार को 48 पेज का घोषणा पत्र जारी किया। दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में सोनिया, राहुल, खड़गे और मेनिफेस्टो कमेटी के अध्यक्ष पी चिदंबरम ने 5 न्याय और 25 गारंटी का ऐलान किया। पार्टी के घोषणा पत्र में मजदूरी 400 रुपए दिन करने, गरीब परिवार की महिला को साल में 1 लाख रुपए देने, एमएसपी को कानून बनाने और जाति जनगणना कराने का जिक्र है। कांग्रेस ने अपने

मेनिफेस्टो में युवा, महिला, मजदूर और किसान पर फोकस किया है। इन सभी वर्गों के लिए अलग-अलग तरह की स्कीम्स का वादा किया गया है। पार्टी ने कहा है कि उसका घोषणा पत्र वर्क, वेल्थ और वेलफेयर पर आधारित है। यहां वर्क के मायने रोजगार, वेल्थ के मायने आमदनी और वेलफेयर के मायने सरकारी स्कीम्स के फायदे दिलाना है। वन नेशन वन इलेक्शन का विरोध। लोकसभा और विधानसभा चुनाव तय समय पर ही करवाएंगे। मतदान ईवीएम के जरिए होंगे, लेकिन वीवीपैट की पर्ची से मिलान किया जाएगा। 10वीं अनुसूची में संशोधन का वादा। इसके तहत दलबदल करने पर विधानसभा या संसद की सदस्यता खुद समाप्त हो जाएगी। पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां सख्ती से कानून के अनुसार काम करेंगी। हर मामले को संसद या राज्य विधानमंडलों की निगरानी में लाया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा- यह चुनाव लोकतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है। एक तरफ एनडीए और प्रधानमंत्री मोदी हैं जो संविधान और लोकतंत्र पर आक्रमण कर रहे हैं और दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन है जो संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करता है। कांग्रेस पार्टी ने अपने मेनिफेस्टो में बुजुर्गों को रेलवे में रियायत देने का वादा किया है।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, शनिवार 06 अप्रैल, 2024

संक्षिप्त समाचार

पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा सूचना जारी नीट प्रवेश परीक्षा 5 मई, 2024

सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के बैचलर ऑफ़ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी तथा बैचलर ऑफ़ फिशरीज साइंस पाठ्यक्रम के राज्य कोटा की सीटों पर वर्ष 2024-25 से नीट की प्रावीण्य सूची के आधार पर प्रवेश होगा। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के आदेश अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा सूचना जारी कर दी गई है। ऑनलाइन आवेदन वेबसाइट https://e&ams.nta.ac.in/NEET पर किए जा सकते हैं। नीट प्रवेश परीक्षा 5 मई, 2024 रविवार को दोपहर 2ः00 बजे से अपराह्न 5ः20 तक होगी। प्रमुख सचिव, पशुपालन ने बताया कि पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, के अंतर्गत संचालित जबलपुर, महू एवं रीवा के पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों में बैचलर ऑफ़ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी पाठ्यक्रम की राज्य कोटा की 255 अर्थात 85त्न सीटों पर वर्ष 2024-25 से नीट की प्रावीण्य सूची के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। इसी प्रकार विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर में बैचलर ऑफ़ फिशरीज साइंस पाठ्यक्रम की राज्य कोटा की 46 अर्थात 80त्न सीटों पर भी वर्ष 2024-25 से नीट के माध्यम से प्रवेश होगा।

वयस्क बीसीजी वैक्सीनेशन 18 साल से अधिक उम्र के नागरिकों को लगाए जा रहे टीके

सीहोर (निप्र)। एडल्ट बीसीजी वैक्सीनेशन के तहत स्वास्थ्य संस्थाओं में प्रतिदिन टीकाकरण किया जा रहा हैं। बीसीजी वैक्सीनेशन 18 साल से अधिक उम्र के 6 विभिन्न श्रेणी के लोगों को बीसीजी का टीका लगाया जा रहा है। भारत से टीबी उन्मूलन किया जाना है। इसके लिए वयस्कों में बीसीजी वैक्सीनेशन की नियमित टीकाकरण के अंतर्गत पहले से ही लगाई जा रही है। वयस्क टीबी वैक्सीनेशन के लिए 6 विभिन्न श्रेणी के लोगों को सम्मिलित किया गया है। जिसमें ऐसे लोग जिन्हें पिछले 5 सालों में टीबी रही हो, रोगी परिजन जो टीबी रोगी के संपर्क में रहे हो, 60 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति, धूम्रपान करने वाला व्यक्ति, मधुमेह के मरीज, 18 से कम बीएमआई या कुपोषित व्यक्ति शामिल किए गए हैं। टीका लगवाने वालों को कोविन की तर्ज पर टीबी विन पोर्टल से टीकाकरण प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं।स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि बीसीजी का टीका पूरी तरह सुरक्षित है। यह वैक्सीन बच्चों को टीबी के गंभीर रूपों से बचाती है। वयस्कों में बीसीजी टीके की अतिरिक्त डोज उनकी रोक प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर अगले 10 से 15 साल तक इस बीमारी से बचाव कर सकती है। मैदानी स्तर पर स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा यह टीके लगाए जा रहे हैं। टीका लगवाने की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है।

छात्रावासी विद्यार्थियों से संवाद

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने आज ग्राम अटारीखेजडा के भ्रमण के दौरान बालिका छात्रावास में पहुंचकर छात्रावासी विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें शैक्षणिक गतिविधियों के उन्नयन हेतु प्रदाय की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया है। कलेक्टर श्री वैद्य ने छात्रावास में रह रही कक्षा सातवीं की छात्रा कुमार आरती अहिरवार और कुमारी अंकिता प्रजापति से चर्चा की। उन्होंने जाना कि सबसे अधिक दूर से कौन से बच्ची छात्रावास में पढ़ने हेतु आई है यहां उन्होंने कोचिंग व अध्यापन कार्य के लिए अन्य सहूलियते तथा कम्प्यूटर के माध्यम से पढाई के संबंध में जानकारी प्राप्त की है। जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने छात्रावास अधीक्षक को निर्देश दिए कि बच्चियों के स्वास्थ्य परीक्षण के भी प्रबंध सुनिश्चित किए जाए और बीच-बीच में इनसे संवाद कर किसी भी प्रकार की शारीरिक परेशानी हो तो उसका निदान महिला चिकित्सक के माध्यम से कराया जाना सुनिश्चित करें।

लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए कलेक्टर ने की मतदान करने की अपील

साइबर क्राइम से बचने के लिए जागरूकता और सतर्कता जरूरीः कलेक्टर सिंह

सीहोर (निप्र)। तकनीक के इस युग में जितनी तेजी से डिजिटल लेन देन और डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा मिला है उतनी ही तेजी से सायबर अपराध भी बढ़ते जा रहे हैं। खुद को साइबर ठगों से बचाने के लिए सबसे जरूरी है जागरूकता व सतर्कता कई बार मन में आने वाले लालच और लापरवाही के कारण साइबर अपराध का शिकार हो जाते हैं।

यह बात कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने चन्द्रशेखर आजाद शासकीय पीजी कॉलेज में आयोजित सायबर जागरूकता एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए कही। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि दुनिया भर में विविध प्रकार के साइबर अपराध सामने आए है, और कुछ उल्लेखनीय उदाहरण ईमेल धोखाधड़ी, सोशल मीडिया धोखाधड़ी, बैंकिंग धोखाधड़ी, रैंसमवेयर हमले, साइबर जासूसी, पहचान की चोरी, क्लिकजैकिंग और स्पाइवेयर जैसे कई अपराध शामिल हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि बिना परिश्रम के कुछ भी नही मिलता।

कई बार मुफ्त ईनाम मिलने, लॉटरी लगने, बिना किसी प्रक्रिया के पांच मिनट में लोन मिलने, बड़ी कम्पनी में नौकरी दिलाने आदि प्रकार के एसएमएस, ई-मेल और अन्य माध्यमों से आने वाले संदेशों के बहकावे में आकर अपनी पूंजी गवाने के साथ ही सायबर अपराधयों द्वारा अन्य प्रकार से किये जाने वाले शोषण का शिकार बन जाते हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा की साइबर क्राइम से बचने का एक ही उपाय है सायबर जागरूकता और सतर्क रहें, जानकार बने और किसी भी प्रकार के प्रलोभन में न आए। उन्होंने कहा कि किसी भी अज्ञात नंबर से प्राप्त हुए लिंक को ना खोले और किसी भी फोन कॉल, संदेश, ईमेल इत्यादि पर दिए गए प्रलोभन या विश्वास में आकर अपनी कोई भी निजी जानकारी किसी के साथ सांझा ना करे। उन्होंने कहा कि अपने डेटा को सुरक्षित रखें। अपने मोबाईल, कंप्यूटर, डिवाइस, नेटवर्क और डेटा तक अनधिकृत पहुंच को रोकने के लिए। पासवर्ड या पिन सुरक्षा का उपयोग करके अपने सभी उपकरणों को सुरक्षित रखें।

मतदान अधिकार भी है और कर्तव्य भी है

कलेक्टर श्री सिंह ने मतदान करने वाले छात्रों से कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए प्रत्येक मतदाता का मतदान में हिस्सा लेना बेहद जरुरी है। किसी लालच या नशा आदि के प्रभाव तहत वोट ना डालें बल्कि सोच समझ कर सही उम्मीदवार को चुने। मतदान से ही लोकतंत्र मजबूत हो सकता है। उन्होंने कहा कि मतदान करना आपका अधिकार भी है और कर्तव्य भी है। कलेक्टर ने सभी युवा मतदाताओं से मतदान की अपील की तथा मतदान करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री आशीष तिवारी एवं सहायक कलेक्टर श्री अर्पित गुप्ता सहित सभी संबंधित अधिकारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

कलेक्टर वैद्य ने किया उपार्जन कार्यों का जायजा लिया

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने आज विदिशा जिले के विभिन्न उपार्जन केन्द्रों में जारी उपार्जन कार्यों का मौके पर पहुंचकर स्थलीय जायजा लिया है। उन्होंने उपार्जन कार्यों को संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी समेत संबंधित अन्य अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि उपार्जन कार्यों के दौरान कृषक बंधुओं को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी ना हो इसका विशेष ध्यान रखें। पेयजल से लेकर छाया के प्रबंध उपार्जन केन्द्रों पर सुनिश्चित किए गए हैं यह व्यवस्थाएं जारी उपार्जन कार्यों तक ऐसी ही बनी रहें के प्रबंध सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री वैद्य ने आज भदारबड़ा गांव में एमएसडी वेयरहाउस में जारी उपार्जन कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया है। इसके साथ ही उन्होंने वेयरहाउस पर मौजूद ग्राम खेजड़ा पड़रात के किसान श्री सम्मान सिंह से संवाद कर उपार्जन सुविधाओं के संबंध में जानकारी भी प्राप्त की। इसके उपरांत उन्होंने ग्यारसपुर के ग्राम पीपलखेड़ा स्थित उपार्जन केंद्र राधा कृष्ण लॉजिस्टिक्स वेयरहाउस तथा बासौदा की ग्राम पंचायत वरमढ़ी के पुष्पा वेयर हाउस में जारी उपार्जन कार्यों का भी जायजा लिया है। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर योगेश भरसट, बासौदा एसडीएम श्री विजय राय, जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू समेत अन्य विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

रणदीप सुरजेवाला के महिला विरोधी निंदनीय बयान को लेकर विवाद

रणदीप सुरजेवाला का बयान शर्मनाक, माफी मांगे कांग्रेस - महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्रीमती माया नारोलिया

सोनिया गांधी, सुरजेवाला की इस ओछी हरकत पर शर्मिंदा होने की जगह मौन क्यों हैं - पूर्व मंत्री, प्रदेश प्रवक्ता व विधायक श्रीमती अर्चना चिटनीस

भोपाल। कांग्रेस पार्टी की मानसिकता हमेशा से महिलाओं की विरोधी रही है। कांग्रेस के शासनकाल में महिला अपराध चरम पर रहता है। आज भी देश के जिन राज्यों में कांग्रेस की कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां महिलाओं का उत्पीड़न अन्य राज्यों की अपेक्षा कई गुना अधिक है। लड़की हूं, लड़ सकती हूं का नारा देने वाली कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी वाड्रा महिलाओं के नाम पर सिर्फ राजनीति करती हैं, लेकिन कांग्रेस नेताओं द्वारा जब भी महिलाओं से अभद्रता या उत्पीड़न किया जाता है, वे भी अपनी पार्टी में महिलाओं को सम्मान नहीं दिला पाती हैं, हमेशा चुप रहती हैं। सत्ता में रहते हुए कांग्रेस पार्टी ने महिलाओं के शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और उनके सर्वांगीण विकास के लिए कोई कार्य नहीं किया। कांग्रेस का यह कृत्य बताता है कि कांग्रेस पार्टी की मानसिकता ही महिला विरोधी रही है। यह बात भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्रीमती माया नारोलिया एवं पूर्व मंत्री व प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती अर्चना चिटनीस ने कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला द्वारा दिए गए महिला विरोधी बयान को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कही। सुरजेवाला क्या यही चाटने वाली शब्दावली अपने परिवार की महिलाओं के लिए स्वीकारोगे - श्रीमती माया नारोलिया

महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने कहा कि रणदीप सुरजेवाला क्या यही चाटने वाली शब्दावली अपने परिवार की महिलाओं के लिए स्वीकारोगे। श्रीमती सोनिया गांधी भले ही कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष रही हों, प्रियंका गांधी राष्ट्रीय महासचिव हैं, लेकिन ये नेत्रियां भी अपने दल में महिलाओं को सम्मान दिलाने में असमर्थ हैं। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने हमेशा की तरह अब हेमा मालिनी को लेकर जो विवादित बयान दिया है वह शर्मनाक है। कांग्रेस को इसको लेकर माफी मांगना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही महिलाओं को सम्मान नहीं देना चाहती, क्योंकि कांग्रेस की मानसिकता ही हमेशा से महिला विरोधी रही है। 'लड़की हूं मैं लड़ सकती हूं का नारा देने वाली प्रियंका गांधी ने हमेशा उन राज्यों में महिलाओं को लेकर राजनीति की, जहां पर उनकी सरकार नहीं रही, लेकिन जहां कांग्रेस सरकार रहीं वहां पर महिला पर हो रहे अत्यचारों में प्रियंका गांधी ने हमेशा चुप्पी साधे रखी। आज भी देश के जिन दो-तीन राज्यों में कांग्रेस की सरकारें हैं, आप उन राज्यों के आंकड़ा दखेंगे तो अन्य राज्यों से कई गुना महिला अपराध वहां मिलेगा।

महिला सम्मान का मिथ्या प्रलाप करते हैं कांग्रेस नेता - श्रीमती अर्चना चिटनीस

पूर्व मंत्री, विधायक व प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती अर्चना चिटनीस ने कहा कि कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने मंच से महिला के लिए खुलेआम निंदनीय शब्दों का प्रयोग किया है। ऐसे व्यक्ति को राजनैतिक क्षेत्र में रहने का कोई हक नहीं है। कांग्रेस को इस बयान के लिए तत्काल माफी मांगना चाहिए। श्रीमती चिटनीस ने कहा कि कांग्रेस में कांग्रेस की महिला नेता ही महिलाओं की विरोधी हैं। हाल ही में कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने हिमाचल के मंडी से भाजपा प्रत्याशी अभिनेत्री सुश्री कंगना रनौत को बाजारू और छोटी काशी के नाम से पहचान रखने वाली (मंडी) की तुलना महिलाओं की मंडी से की है। वहीं, रेणुका चौधरी ने तो कहा था कि ÷रेप तो चलते ही रहते हैं। (रेप इज कॉमन)। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने भारतीय अर्थव्यवस्था का मजाक उड़ाते हुए कहा था हमारी चिल्लर भी मिस वर्ल्ड बन गई है। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी की एक सीडी आई थी, जिसमें वह एक महिला वकील को जज बनवाने का लालच देते हैं। जब कांग्रेस की महिला नेताओं की सोच ही महिलाओं के प्रति घटिया हो तो उनके पुरुष नेताओं की क्या सोच होगी,आसानी से समझा जा सकता है। श्रीमती चिटनीस ने कहा कि सुरजेवाला के निंदनीय बयान पर सोनिया गांधी शर्मिंदा होने की जगह मौन क्यों हैं ?

लगातार ऊपर नीचे हो रहा प्रदेश का तापमान

भोपाल। पिछले तीन महीनों से शहर और प्रदेश का मौसम लगातार बदल रहा है। प्रदेश में कभी तापमान 40 के ऊपर गया है तो कभी बादल घिरने के कारण तापमान में तेजी से गिरावट हुई है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों में कई जिलों में तेज आंधी के साथ हलकी बारिश की संभावना भी जताई जा रही है। अभी भी कई जिलों का तापमान अब भी 40 डिग्री के लगभग बना हुआ है। शुक्रवार सुबह शहर में धूप निकली पश्चिमी उत्तर पश्चिमी हवाएं अधिकतम 29 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से चली। गुरुवार की रात को बादल छाने कारण रात के तापमान में हल्की बढ़ोतरी देखने को मिली। गुरुवार रात का न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 21.2 डिग्री दर्ज किया गया।

शुक्रवार से ही उत्तर भारत में एक पश्चिमी विक्षोभ होगा। इसके असर से इंदौर में अगले दो दिन हल्के बादल छाए रहेंगे, वहीं, सात अप्रैल को शहर में हल्की बारिश होने की संभावना भी जतायी गई है। इसके बाद आगामी दिनों में तापमान में बढ़ोतरी दिखाई देंगे और गर्मी का असर बढ़ेगा। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 41.0 डिग्री दमोह में तथा सबसे कम न्यूनतम तापमान 16.8 डिग्री रीवा में दर्ज किया गया।

गौरतलब है कि गुरुवार को दिन में बादल छाए रहे, इस वजह से अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 36.6 डिग्री दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के मुताबिक् शुक्रवार को दिन में बादल छाए रहने के साथ ही तेज धूप निकलने से गर्मी का असर बढेगा। दिन का तापमान 38 डिग्री के आस-पास रहने की संभावना जताई गई है।

किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल तथा इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार 19 अप्रैल से एक जून तक पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा

सीहोर (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 की आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के दौरान 19 अप्रैल की सुबह 7 बजे से एक जून की शाम 6ः30 बजे तक निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 28 मार्च 2024 को इस आशय की अधिसूचना जारी कर दी गई है। जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि निर्वाचन के दौरान सभी मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिये नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घण्टों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामलों के प्रदर्शन पर भी पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा।लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा 126क में यह प्रावधानित किया गया है कि कोई भी व्यक्ति, कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा और किसी निर्गम मत सर्वेक्षण के परिणाम का ऐसी अवधि के दौरान, जो निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचित की जाए, प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन या प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति से प्रसार भी नहीं करेगा।

कलेक्टर दुबे द्वारा जिले में भ्रमण कर निर्वाचन तैयारियों का लिया जा रहा है जायजा

रायसेन (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी लोकसभा आम निर्वाचन-2024 कार्यक्रम अनुसार रायसेन जिले के उदयपुरा विधानसभा में द्वितीय चरण 26 अप्रैल को और सांची, सिलवानी तथा भोजपुर विधानसभा में तृतीय चरण 07 मई को मतदान सम्पन्न होना है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे द्वारा जिले में भ्रमण कर लोकसभा निर्वाचन स्वतंत्र, निष्पक्ष, सुचितापूर्ण सम्पन्न कराने के लिए की जा रही कार्यवाहियों, गतिविधियों का सतत् निरीक्षण किया जा रहा है। कलेक्टर श्री दुबे द्वारा बुधवार को गैरतगंज, बेगमगंज तथा सिलवानी का भ्रमण कर यहां पीठासीन और मतदान अधिकारियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण का निरीक्षण किया गया। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे निर्वाचन कार्मिकों से कहा मतदान प्रक्रिया स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं सुचितापूर्ण रूप से सम्पन्न कराने में मतदान दलो की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इसलिए सभी पूरे मनोयोग और लगन से प्रशिक्षण प्राप्त करें। प्रशिक्षणार्थी निर्वाचन प्रक्रियाओं की बारीकियों को समझें। निर्वाचन संबंधी सभी जिज्ञासाओं का मास्टर ट्रेनर्स से समाधान प्राप्त करें। यदि कोई जानकारी समझ में नही आती है तो निःसकोच प्रश्न पूछकर उसका समाधान प्राप्त करें। कलेक्टर श्री दुबे ने निर्वाचन कार्मिकों से कहा कि वे सम्पूर्ण प्रशिक्षण प्रक्रिया को गंभीरता से लें। निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्येक बिन्दु के संबंध में लिखित निर्देश जारी किए गए है जिसका अध्ययन कर शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराया जाना है। सभी को मतदान के पूर्व की तैयारियों से लेकर मतदान दिवस तथा मतदान का समय समाप्त होने के पश्चात एवं मत लेखा तैयार करने की प्रक्रिया का पूर्णतः ज्ञान होना आवश्यक है। मतदान दल में शामिल सभी शासकीय सेवक ईवीएम की कार्यप्रणाली तथा संचालन का समुचित प्रशिक्षण लेने के साथ ही पर्याप्त अभ्यास कर लें। कलेक्टर श्री दुबे द्वारा ईवीएम और पोस्टल बैलेट स्ट्रांग रूम का भी निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा पीठासीन एवं मतदान अधिकारियों को उनके कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व, मतदान केंद्र पर एक दिन पूर्व की जाने वाली कार्यवाही, मतदान के पूर्व की तैयारी एवं मॉकपोल, मॉकपोल का क्रम, मॉकपोल के दौरान मशीनों का परिवर्तन, मॉकपोल के पश्चात मशीनों की सीलिंग, वास्तविक मतदान प्रारंभ, मतदान केन्द्र में प्रवेश हेतु अनुमत्त व्यक्ति, मतदान केंद्र पर मतदाताओं के प्रवेश का विनिमय, मतदान केंद्र और आस पास निर्वाचन विधि का प्रवर्तन, मतदान प्रक्रिया, मतदान कें दौरान की विशेष स्थितियां, बैटरी का विस्थापन, मतदान समाप्ति पर कार्यवाही, निर्वाचन अभिलेख तैयार करना एवं पैकिंग, बुकलेट प्रपत्र आदि की जानकारी दी जा रही है।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों के साथ किया भोजन

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य, जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट सहित अन्य अधिकारियों ने आज ग्यारसपुर के सीएम राइज स्कूल में संचालित हो रही स्वीप गतिविधियों में शामिल हुए और यहां प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत विद्यार्थियों को प्रदाय किए जाने वाले भोजन कार्यक्रम में शामिल होकर बच्चों के साथ भोजन किया है।

नुक्कड़ नाटक से संदेश

ग्यारसपुर बस स्टेण्ड के समीप स्वीप गतिविधियों के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। यहां स्कूली छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रेरणादायी कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों पर दर्शकों द्वारा तालियां बजाकर हौंसला अफजाई किया गया है। विद्यार्थियों के द्वारा मतदान हमारा मौलिक अधिकार है बिना भय के हम इसका उपयोग करेंगे और मनपसंद जनप्रतिनिधि का विकास के लिए चयन करेंगे।

रंगोली व चित्रकला से दिये प्रेरणादायी संदेश

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय त्योंदा की छात्राओं द्वारा मतदाता जागरूकता के प्रेरणादायी स्लोगन का रंगोली व चित्रकला के माध्यम से प्रदर्शन किया गया था जिसे देखकर कलेक्टर श्री वैद्य व जिला पंचायत सीईओ डॉ भरसट ने विद्यार्थियों को अभिप्रेरित किया ओर उन सबके साथ विशेष तौर पर फोटो खिंचवाए है। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि अब बच्चियां लडको से आगे निकलते जा रही है कॉम्पिटशन के इस शैक्षणिक युग में लड़के पिछड रहे है। उन्होंने इस प्रकार की प्रगति हासिल करने वाली बच्चियों का हौंसला अफजाई करते हुए शिखर पर बने रहने की प्रेरणा दी और छात्रों से कहा कि वे भी मेहनत कर शिखर को प्राप्त कर सकते है। उन्होंने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए मेहनत, समर्पण और त्याग को रेखांकित किया। इसी प्रकार जिला पंचायत सीईओ ने भी विद्यार्थियों का हौसला अफजाई किया। बारहवीं के छात्र अनिल कुशवाह ने फर्राटेदार भाषण देकर सबको अचरज कर दिया। वहीं कक्षा नवमीं जिले में सर्वोच्च अंक हासिल करने वाली अभिलाषा पंथी का कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ ने प्रमाण पत्र व शील्ड प्रदाय कर सम्मानित किया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का अवलोकन किया

कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य और जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने आज संयुक्त रूप से त्योंदा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पहुंचकर प्रदाय की जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। यहां भर्ती मरीजो से संवाद कर उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। मौके पर मौजूद चिकित्सकों से कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि जिला मुख्यालय से दूरस्थ होने के कारण चिकित्सको की महत्वपूर्ण जबावदेंही बढ जाती है स्थानीय मरीजो को इलाज के अभाव में भटकना ना पडे इस और चिकित्सक व स्वास्थ्य संबंधी अमला विशेष पहल करें। इस अवसर पर बासौदा एसडीएम श्री विजय राय समेत अन्य विभागो के अधिकारी, कर्मचारी साथ मौजूद रहें।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर, शनिवार 06 अप्रैल, 2024

बीआरटीएस पर एलिवेटेड बनाने की स्ट्रक्चर डिजाइन तैयार, पीडब्ल्यूडी के भोपाल मुख्यालय से मिलेगी स्वीकृति

इंदौर। बीआरटीएस कॉरिडोर पर बनने वाले एलिवेटेड ब्रिज बनाने की तैयारी तेज कर दी गई है। इसकी सुपर स्ट्रक्चर डिजाइन ठेकेदार कंपनी ने पीडब्ल्यूडी को भेज दी है, जिसकी अंतिम स्वीकित भोपाल मुख्यालय से मिलेगी। करीब महीनेभर से ज्यादा समय से डिजाइन बनाने का काम हो रहा था। अप्रैल अंत तक सुपर स्ट्रक्चर की डिजाइन स्वीकृत होकर भोपाल से आने की उम्मीद है। तब तक ठेकेदार कंपनी निर्माण संबंधी दूसरी तैयारियां भी पूरी कर लेगी। आरंभिक रूप से इंडस्ट्री हाउस तिराहे से एलआईजी चौराहे के बीच एलिवेटेड ब्रिज का काम शुरू होगा। अब तक एमआर-9 से नौलखा के बीच बिजली के तारों, खंभों और ट्रांसफॉर्मर को हटाने का काम शुरू होना बाकी है। इसके लिए पीडब्ल्यूडी ने अलग से टेंडर कर दूसरी कंपनी को बाधाएं हटाने का काम सौंपा है। सूत्रों ने बताया कि एलिवेटेड ब्रिज के काम के कारण जनता को कम से कम परेशानी के लिए टुकड़ों-टुकड़ों में काम करने की योजना बनाई गई है। इससे ट्रैफिक डायवर्शन बहुत लंबे हिस्से में नहीं करना होगा। जहां-जहां साइट क्लीयर होगी, वहां काम शुरू किया जाएगा। अप्रैल-24 में काम शुरू होने के बाद दो साल में अप्रैल-26 तक काम पूरा करने का लक्ष्य है।

योजना क्रमांक 94 में बाउंड्रीवाल के साथ-साथ सडक़ निर्माण का भी भूमिपूजन किया

इंदौर। प्राधिकरण को अपनी योजना क्रमांक 94 में एक पुरानी बहुमंजिला इमारत की सुरक्षा के लिए बाउंड्रीवाल बनाना है। पुलिस सुरक्षा में काम शुरू करवाया गया, क्योंकि कुछ दिनों पूर्व असामाजिक तत्वों ने भूमिपूजन के बाद ठेकेदार को काम न करने की धमकी दी थी, जबकि 8 माह पहले इस बाउंड्रीवाल के साथ-साथ सडक़ निर्माण का भी भूमिपूजन किया था। 9 फीट ऊंचाई की बाउंड्रीवाल असामाजिक तत्वों से रहवासियों की सुरक्षा के लिए बनाई जाना है। फिरदौस नगर और उसके आसपास के असामाजिक तत्वों ने पिछले दिनों प्राधिकरण के ठेकेदार को मौके पर काम नहीं करने दिया। इसके चलते बिल्डिंग में रहने वाले रहवासियों ने क्षेत्रीय विधायक महेंद्र हार्डिया से लेकर प्राधिकरण अध्यक्ष सहित मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री तक शिकायत की। दरअसल बिल्डिंग के आसपास खाली पड़ी जमीन पर अवैध कब्जे के चलते यह निर्माण कार्य रोका जा रहा था। रहवासियों का कहना है कि नशेडियों ने यहां अड्डा बना रखा है, जो गांजे से लेकर अन्य तरह की ड्रग्स का नशा करते हैं।यही कारण है कि प्राधिकरण को भूमिपूजन के बाद काम नहीं करने दे रहे थे। ठेकेदार को भी इन असामाजिक तत्वों ने जान से मारने की धमकी तक दे डाली। सडक़ और बाउंड्रीवाल पर सवा करोड़ से अधिक की राशि प्राधिकरण द्वारा खर्च की जा रही है। अब चुनाव आचार संहिता लागू है, जिसमें सख्ती की जा सकती है। नतीजतन पुलिस सुरक्षा में प्राधिकरण ने फिर से बाउंड्रीवाल बनाने का काम शुरू किया है। उसके बाद सडक़ का निर्माण भी होगा।

कलेक्टर और कमिश्नर ने किया निर्माणाधीन सडकों का निरीक्षण

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह एवं आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा शहर के विभिन्न स्थानो पर निर्माणधीन सडको का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, टाउन एंड कन्ट्री तथा इंदौर विकास प्राधिकरण के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर सिंह एवं आयुक्त वर्मा द्वारा भूरी टेकरी से नायता मुंडला नवीन आरटीओ भवन तक निर्माणधीन आरई 2 निर्माणधीन सडक का अवलोकन किया गया। इसके पश्चात कलेक्टर सिंह एवं आयुक्त वर्मा द्वारा विभागीय अधिकारियों के साथ भागीरथपुरा अंडर रेल्वे ब्रिज से लक्ष्मी बाई स्टेशन होते हुए, आईएसबीटी तक निर्माणधीन एमआर 4 रोड, इंदौर वायर फैक्टी से छोटा बांगडदा होते हुए सुपर कॉरिडोर तक निर्माणधीन एमआर 5 रोड का भी निरीक्षण किया गया।

लोकसभा चुनाव : अधिकारी-कर्मचारियों का प्रशिक्षण 15 अप्रैल से

इंदौर। इंदौर जिले में लोकसभा चुनाव के लिए 2677 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। इन बूथों पर चुनाव संपन्न कराने के लिए दलों का गठन किया गया है। मतदान दलों के प्रशिक्षण का पहला चरण 15 अप्रैल से शुरू होगा। शासकीय होलकर कालेज में प्रशिक्षण की सभी तैयारियां शुरू की गई है। दूसरा चरण मई में होगा। जिले की सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में निर्वाचन में लगे अधिकारी-कर्मचारियों को व्यवस्थित रूप से निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। मतदान दलों में शामिल पीठासीन अधिकारी और पी-1 अधिकारियों का प्रशिक्षण पहले चरण में होगा। दूसरे चरण में मतदान दल में शामिल सभी चार सदस्यों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर सुदीप मीणा ने बताया कि निर्वाचन में संलग्न अधिकारी-कर्मचारियों को चरणवार प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रथम चरण का प्रशिक्षण कार्यक्रम 15, 16, 18 और 19 अप्रैल को शासकीय होलकर कॉलेज में आयोजित किया जाएगा। इसमें लगभग 9 हजार अधिकारी-कर्मचारी प्रशिक्षण लेंगे। प्रशिक्षण में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देश, प्रक्रिया, नियम और अधिनियमों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी जाएगी।जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा एक पोलिंग बूथ के लिए चार सदस्यीय दल का गठन किया गया है। इसमें पीठासीन अधिकारी के साथ, पी-1, पी-2 और पी-3 शामिल रहेंगे। इन दलों द्वारा ही मतदान सामग्री लेने से लेकर बूथ पर मतदान संपन्न कराने की जिम्मेदारी होगी।

बुजुर्ग और दिव्यांगजनों को घर पर मतदान की सुविधा

इंदौर। इस बार होने वाले लोकसभा चुनाव में चुनाव आयोग ने 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांगजनों को घर बैठे मतदान की सुविधा उपलब्ध कराई है। इसके लिए फॉर्म नंबर 12 डी भरकर जमा करना होगा। अभी तक जिला निर्वाचन कार्यालय में 12 डी फॉर्म नहीं पहुंच सके हैं। जिला निर्वाचन का दल दो बार भोपाल जाकर बिना फॉर्म के लोड आया है। हालांकि चुनाव के चरण के अनुसार फार्म उपलब्ध कराया जा रहे हैं।लोकसभा चुनाव में बुजुर्ग तथा दिव्यांग मतदाताओं को विधानसभा चुनाव की तरह घर पर मतदान की सुविधा का लाभ देने के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन करने के लिए छूट दी है। उक्त प्रारूप अभी तक आयोग द्वारा प्रकाशित करवा कर सभी जिला निर्वाचन कार्यालय को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध ही नहीं कराए गए हैं। अधिकांश जिलों से दल उक्त प्रारूप के लिए भोपाल जाकर खाली हाथ लौट आए है। आयोग ने पहली बार विधानसभा चुनाव 2023 में बुजुर्गों और दिव्यांगजनो को घर बैठे मतदान की सुविधा दी थी। यह सुविधा लोकसभा चुनाव में भी दी जाएगी। हालांकि घर से मतदान की सुविधा में बुजुर्ग मतदाताओं की उम्र सीमा को बड़ा दिया है। अब 85 साल से अधिक उम्र के मतदाता घर से मतदान के लिए आवेदन कर सकेंगे। विधानसभा में यह 80 साल थी। निर्वाचन कार्य की कवरेज करने वाले पत्रकारों को भी निर्वाचन आयोग ने डाक मतपत्र से मतदान की सुविधा उपलब्ध कराई है। पत्रकारों को डाक मत पत्र के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन करना है, किंतु अभी तक प्रारूप ही नहीं है। वहीं नियमों की भी गफलत हैं।

255 एलिवेटर और एस्केलेटर स्थापित होंगे मेट्रो स्टेशनों पर

इंदौर। मेट्रो प्रोजेक्ट को तेजी से अमल में लाया जा रहा है। इसके लिए संबंधित ठेकेदार फर्मों को काम भी सौंपे जा रहे हैं। पिछले दिनों फेयर कलेक्शन सिस्टम सहित ड्राइंग, डिजाइन, सिक्युरिटी और अन्य कार्यों से जुड़े टेंडरों को मंजूरी दी गई। इसी तरह मेट्रो स्टेशनों पर एलिवेटर और एस्केलेटर स्थापित किए जाना है। उसके लिए दुनिया की जानी-मानी कंपनी ओटिस इंडिया को इसका ठेका दिया गया है, जो कि इन्दौर-भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए लगभग 255 एलिवेटर और एस्केलेटर लगाएगी और इनका निर्माण अपने बैंगलुरु स्थित कारखाने में ही करेगी। अभी गांधीनगर स्टेशन और प्रायरिटी कॉरिडोर में यह एलिवेटर और एस्केलेटर लगाए भी गए हैं और आने वाले दिनों में जैसे-जैसे मेट्रो स्टेशन तैयार होंगे, वहां पर इनकी स्थापना होती रहेगी।

कई बड़ी इमारतों में भी ओटिस की लिफ्ट और शापिंग मालों में एलिवेटर और एस्केलेटर और एयरपोर्ट पर बोविंग वाकवेज इसी कंपनी द्वारा लगाए गए हैं। यह दुनिया की जानी-मानी कंपनी ओटिस वर्ल्ड वाइड कार्पोरेशन है, जिसकी सहायक कंपनी ने इन्दौर और भोपाल के मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए एलिवेटर और एस्केलेटर इस्टालेशन का ठेका हासिल किया है। वर्टिकल ट्रांसपोर्टेशन के लिए यह कम्पनी एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, मेट्रो सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर काम कर चुकी है। मैक इन इंडिया के चलते कंपनी ने बैंगलुरु में ही अपना प्लांट डाल रखा है, जहां पर यह एलिवेटर और एस्केलेटर तैयार किए जा रहे हैं। 200 से अधिक देशों के साथ-साथ तमाम क्षेत्रों में यह कंपनी काम करती है। दूसरी तरफ इन्दौर मेट्रो के पहले चरण का काम तेजी से चल रहा है। गांधीनगर से लेकर सुपर कारिडोर, एमआर10, विजयनगर, रेडिसन, रोबोट चौराहे तक काम की गति अच्छी है, वहीं रोबोट से बंगाली, पलासिया, चौराहे होते हुए टीआई मॉल के आगे तक एलिवेटेड कारिडोर का ठेका भी दिया जा चुका है और अब मध्य क्षेत्र में अंडरग्राउंड कॉरिडोर की टेंडरिंग प्रक्रिया चल रही है। साढ़े पांच किलोमीटर के प्रायरिटी कॉरिडोर में स्टेशन निर्माण सहित कई महत्वपूर्ण काम हो चुके हैं, जहां एलिवेटर और एस्केलेटर का इस्टालेशन भी ट्रायल रन के लिए किया गया था। पिछले दिनों अंडरग्राउंड मेट्रो के लिए साइल टेस्टिंग सहित अन्य तकनीकी परीक्षण भी पूरे हो चुके हैं।

आज हर बूथ पर होगा आयोजन

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी आज अपना स्थापना दिवस मनाने जा रही है। सभी बूथ अध्यक्षों से कहा गया हैथ्क अपने-अपने बूथों पर पार्टी का झंडा फहराएं और कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम आदमी को भी इस कार्यक्रम से जोड़े। विशेषकर उन्हें जिन्होंने सरकार की योजना का लाभ लिया है और वे लाभार्थी हैं। चूंकि अभी लोकसभा चुनाव भी चल रहे हैं, इसलिए भी भारतीय जनता पार्टी का आला संगठन चाह रहा है कि बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखा जाएं। आज स्थापना दिवस के बहाने भी पार्टी अपने-अपने क्षेत्र में कार्यक्रम कर रही है। इस दिन संबंधित बूथ अध्यक्षों को अपने क्षेत्र के बूथ पर पार्टी का झंडा लहराकर मिठाई बांटना होगी और लोगों को भाजपा की रीति नीति के बारे में जानकारी देना होगी। इसके लिए स्थानीय संगठन द्वारा निचले स्तर तक कार्यक्रमों को जोर-शोर से करने के निर्देश जारी किए हैं, ताकि इसका लाभा लोकसभा चुनाव में मिल सके। संगठन ने निर्देश दिए हैं कि बूथ स्तर पर जो कार्यक्रम होगा, उसमें भाजपा के किसी वक्ता से पार्टी के बारे में जानकारी देने के लिए कहा गया है। उन्हें वक्ता के रूप में कार्यक्रम में बुलाया जाएगा। वहीं उस बूथ पर रहने वाले वरिष्ठ नेताओं को भी उस कार्यक्रम में रहने के लिए कहा गया है। साथ ही जिन लोगों ने केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ लिया है, उनकी सूची तैयार करके उन्हें कार्यक्रम में बुलाया जा रहा है। पार्टी का उद्देश्य है कि ऐसे लोगों के माध्यम से लोगों को बताया जाए कि पार्टी किसी से भी कोई भेदभाव नहीं रखती है और सबका साथ सबका विकास के नारे में विश्वास रखती है। इंदौर में भाजपा कार्यालय पर भी मुख्य कार्यक्रम रखा गया है।

हाईवे पर बनेंगे सात पुल, एनएचएआइ ने 2025 का दिया समय

इंदौर। इंदौर-खंडवा एदलाबाद हाईवे पर सात पुल बनाए जाएंगे। बरसात को देखते हुए एनएचएआइ ने निर्माण एजेंसी को काम में तेजी लाने पर जोर दिया है। वैसे इन दिनों तेजाजी नगर से सिमरोल के बीच चार पुलों का निर्माण एक साथ शुरू कर दिया है। एनएचएआइ ने इन्हें बनाने के लिए जनवरी 2025 का समय एजेंसी को दिया है। ये सारे पुल अंडर पास रहेंगे, ताकि गांव में आने-जाने के लिए वाहनों को सड़क पार करने में आसानी हो।216 किमी लंबे हाईवे में तीन टनल और सात पुल हैं। चमेलीदेवी कालेज, उमेरीखेड़ा, चोखी ढाणी, सिमरोल, भेरूघाट, बाईग्राम और बड़वाह पर पुल का काम चल रहा है। यहां गांव में पहुंचने के लिए अंडर पास रहेगा, जहां से छोटे वाहनों को निकलने के लिए रास्ता रहेगा। जनवरी तक इन ब्रिज को बनाना है। इसके चलते एजेंसी ने काम तेज कर दिया है।चमेलीदेवी कालेज के पास बनने वाले पुल 50 फीसद पूरा हो चुका है। वहां तीन पिलर पर केपिंग हो चुकी है। उमरीखेड़ा पुल 20 फीसद काम हुआ है। इन दिनों एजेंसी तेजाजी नगर से सिमरोल के बीच बनने वाले इन ब्रिज को जून तक 70-80 फीसद बनाने में लगा है। हाईवे में बनने वाली तीसरी टनल की मंजूरी मार्च में मिली है। उसके साथ ही मेघा कंस्ट्रक्शन ने पहाड़ी की खोदाई शुरू कर दी है। एजेंसी के पास तीसरी बनाने के लिए जुलाई तक का समय है। बरसात के दिनों में टनल के भीतर काम किया जाएगा, जबकि पूरा प्रोजेक्ट जनवरी 2025 तक पूरा करने की डेडलाइन है। काम की गति को देखते हुए एनएचएआइ ने तीन महीने बढ़ा कर रखी है। अप्रैल 2025 तक सड़क तैयार करना है।

12 स्थानों पर एनिमल कारिडोर

वाहनों के साथ ही हाईवे निर्माण में जानवरों का ध्यान रखा गया है। जंगल से निकलने वाले रास्ते पर 12 एमिनल कारिडोर बनाए जाएंगे। इसके माध्यम से वन्यप्राणी जंगल में एक और से दूसरी तरफ आसानी से निकल सकेंगे। कारिडोर के लिए वन विभाग ने स्थान चिन्हित कर रखे है। यहां निर्माण अगले कुछ सप्ताह में शुरू किया जाएगा।

पहली बार नार्थ गोवा में बने नए एयरपोर्ट पर होगी लैंड

इंडिगो नासिक होते हुए गोवा जाने वाली कनेक्टिंग फ्लाइट की बुकिंग शुरू की

इंदौर। इंडिगो ने इंदौर से नासिक होते हुए गोवा जाने के लिए पहली बार कनेक्टिंग फ्लाइट्स की बुकिंग शुरू की है। यह फ्लाइट पहली बार यात्रियों को नार्थ गोवा में बने नए एयरपोर्ट पर लैंड करेगी।

इंदौर से नासिक होते हुए गोवा जाने के लिए यात्रियों को ज्यादा इंतजार भी नहीं करना होगा। नासिक में सिर्फ 1.20 घंटे के इंतजार के बाद गोवा की फ्लाइट मिल जाएगी, जिससे यात्री 4 घंटे 20 मिनट में गोवा पहुंच सकेंगे। साउथ गोवा में पहले से मौजूद एयरपोर्ट पर काफी ज्यादा लोड होने के चलते एयरपोर्ट अथोरिटी ने नार्थ गोवा में नया एयरपोर्ट तैयार किया है और जनवरी 2023 से ही इसे शुरू किया है। गोवा में घूमने-फिरने से शौकीनों के लिए नार्थ गोवा ही प्रमुख क्षेत्र भी है। इस तरह से पर्यटकों के लिए यह ज्यादा सुविधाजनक भी कहा जा रहा है। कंपनी ने इसकी बुकिंग ओपन कर दी है।

इंदौर से नासिक लिए सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार फ्लाइट का संचालन किया जाता है। यह फ्लाइट (6ई-7108/09) सुबह 9.30 बजे इंदौर से रवाना होकर 10.45 बजे नासिक पहुंचती है। गोवा जाने वाले यात्रियों को इस फ्लाइट से गोवा पहुंचने के 1 घंटे 20 मिनट बाद 12.05 बजे गोवा के लिए फ्लाइट मिलेगी, जो दोपहर 1.50 बजे नार्थ गोवा के एयरपोर्ट पहुंचेगी। कंपनी ने इसका शुरुआती किराया 6500 रुपए रखा है।

राजस्व का आंकड़ा साढ़े तीन सौ करोड़ रुपये के पार पहुंचा

इंदौर। वित्त वर्ष 2023-24 के आखरी माह मार्च में बड़ी संख्या में दस्तावेज पंजीकृत हुए। इसी वजह से राजस्व का आंकड़ा साढ़े तीन सौ करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। मार्च माह में 12 दिन पड़ने वाली छुट्टियों पर भी पंजीयन विभाग ने रिकार्ड 124 करोड़ रुपये की कमाई की। छुट्टियों के दिनों में 8515 दस्तावेज पंजीकृत किए गए।हाल ही में समाप्त वित्तीय वर्ष 2023-24 में पंजीयन विभाग ने अब तक का सर्वाधिक राजस्व 2415 करोड़ रुपये जमा किया। इसके लिए एक लाख 75 हजार 900 दस्तावेज पंजीकृत किए गए। इसमें मार्च माह में 22177 दस्तावेज पंजीकृत कर पंजीयन विभाग ने 363 करोड़ रुपये राजस्व एकत्र किया। यह राशि पूरे वित्तीय वर्ष के 12 माह में सर्वाधिक रही। वित्तीय वर्ष 2022-23 के मार्च माह में 20900 दस्तावेज पंजीकृत कर 309 करोड़ रुपये राजस्व एकत्रित किया गया था।वरिष्ठ पंजीयक दीपक शर्मा का कहना है कि पंजीयन की नई गाइडलाइन लागू होने के बाद गुरुवार से दस्तावेज पंजीकृत होने का काम शुरू हो गया। गुरुवार को 50 के करीब दस्तावेज पंजीकृत किए गए। पोर्टल को अपडेट करने का काम बुधवार तक जारी रहा।

चार महीनो में पार किया 200 करोड़ का आकड़ा

वित्तीय वर्ष 2023-24 के चार माह में पंजीयन विभाग ने 200 करोड़ से अधिक का राजस्व एकत्र किया। विभाग ने सितंबर में 202.91 करोड़, दिसंबर में 202.94, फरवरी में 203.02, मार्च में 363 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त हुआ। वित्तीय वर्ष 2022-23 में यह आंकड़ा एक बार मार्च माह में ही पार हो पाया।

इंदौर जिले के 21 चेकपोस्ट पर होगी वेबकास्टिंग द्वारा निगरानी

इंदौर। लोकसभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर सुरक्षा को और अधिक चुस्त-दुरूस्त बनाने के लिए कड़े प्रबंध किये जा रहे हैं। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र रघुवंशी ने बताया कि इंदौर जिले के चयनित 21 चेकपोस्ट(नाकों) और चयनित 1340 मतदान केन्द्रों पर वेबकास्टिंग द्वारा निगरानी रखी जायेगी। इन केन्दों पर स्स्ञ दलों की भी तैनाती की गई है।

लो.स. निर्वाचन 2024 हेतु इंदौर जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों के चयनित 21 नाकों पर स्स्ञ दलों की तैनाती रहेगी। वि.स. क्षेत्र देपालपुर के 3 चेकपोस्ट स्थल- रेल्वे पटरी के पास बहीरामपुर, टोल नाका मेढ़वाडा एवं सागोर रोड़ कालीबिल्लौद पर स्स्ञ पुलिस दल एवं वेबकास्टिंग द्वारा निगरानी की जायेगी। इसी प्रकार वि.स. क्षेत्र इन्दौर-1 के 2 चेकपोस्ट बड़ा गणपति एवं एरोड्रम (देपालपुर रोड़), वि.स. क्षेत्र इन्दौर-2 के अन्तर्गत चन्द्रगुप्त मौर्य चौराहा (एमआर 10) के पास, वि.स. क्षेत्र इन्दौर-4 में चंदन नगर थाने के पास डीमार्ट एवं केशरबाग चौकी आरटीओ के पास, वि.स. क्षेत्र इन्दौर-5 में चेकपोस्ट स्टार चौराहा (एम.आर.10) एवं गोल चौराहा (आजाद नगर), वि.स. क्षेत्र डॉ. अम्बेडकर नगर महू के कुल 5 चेकपोस्ट (नाकों) जिसमें ग्राम पंचायत पिगडम्बर एबी रोड़, तलाई नाका सिमरोल, भिचौली फाटा, दतोदा चौखी ढ़ाणी और जामगेट (जामखुर्द) शामिल है। इसी प्रकार वि.स. क्षेत्र राऊ में राऊ गोल चौराहा आईआईएम टोल नाका के पास और उमरीखेडा (खण्डवा रोड़ चमेली देवी कॉलेज के पास), वि.स. क्षेत्र सांवेर के 4 चेकपोस्ट (नाकों) जिसमें चिमली फाटा उज्जैन रोड़, पुराना टोल टेक्स एबी रोड क्षिप्रा, शिवपुरा खेड़ा चन्द्रवतीगंज तथा मुहाडा घाट हनुमान मंदिर के पास पेड़मी पर स्स्ञ दल की तैनाती रहेगी। इन सभी चेकपोस्ट (नाकों) की निगरानी वेबकास्टिंग के माध्यम से की जायेगी।

निगम आयुक्त ने कुओं तालाबों का किया निरीक्षण

झोन 19 के विभिन्न क्षेत्रों में कचरा एवं गंदगी पाए जाने पर सीएसआई को नोटिस देने एवं एनजीओ के विरुद्ध पेनल्टी लगाने के लिए निर्देश

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा शहर की स्वच्छता व्यवस्था के साथ ही तालाबों का किया निरीक्षण। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त सिद्धार्थ जैन, अभय राजनगांवकर, अधीक्षक मंत्री महेश शर्मा, सहायक यंत्री सुनील गुप्ता, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर अखिलेश उपाध्याय, जोनल अधिकारी वैभव देवलासे एवं अन्य विभाग अधिकारी उपस्थित थे।

आयुक्त वर्मा द्वारा प्रतिदिन शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था के निरीक्षण के क्रम में कल झोन क्रमांक 9 एवं 19 के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था एवं तालाबों के संरक्षण के संबंध में निरीक्षण किया गया। आयुक्त वर्मा द्वारा न्याय नगर क्षेत्र में स्थित प्राचीन बावड़ी का अवलोकन किया गया, इसके साथ ही उन्होंने न्याय नगर में रहवासियों से स्वच्छता एवं जलप्रदाय के संबंध में चर्चा की। इसके पश्चात आयुक्त वर्मा द्वारा झोन क्रमांक 19 मैं सफाई व्यवस्था के संबंध में निरीक्षण किया गया एवं बिचोली हप्सी स्थित तालाब का भी अवलोकन किया गया। उन्होंने तालाब के संरक्षण हेतु तालाब के पास फेंसिंग करने के निर्देश दिए तथा शहर के विभिन्न स्थानों पर स्थित हुए बावड़ी एवं तालाबों के संरक्षण एवं तालाबों के कैचमेंट क्षेत्र को क्लियर करने के निर्देश दिए।

आयुक्त वर्मा द्वारा बाईपास से बिचोली हैप्सी होते हुए सिटी फॉरेस्ट क्षेत्र का भी निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा सिटी फॉरेस्ट में लकडी से फर्नीचर हेतु बनाई वर्कशॉप के पास ग्रीन वेस्ट के निपटान हेतु प्लांट लगाने के संबंध में निर्देशित किया गया। आयुक्त वर्मा द्वारा बिचौली हप्सी से सिटी फॉरेस्ट तक निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में कचरा एवं गंदगी पाए जाने पर क्षेत्रीय सीएसआई के विरुद्ध नाराजगी व्यक्त करते हुए, सीएसआई को तत्काल सफाई करने के साथ ही नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही झोन क्रमांक 19 मैं संलग्न एनजीओ संस्था के विरुद्ध भी पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए गए। उनके द्वारा एनजीओ संस्था के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि क्षेत्र में जहां-जहां भी कचरा फेंका जाता है उन स्थानों पर एनजीओ के प्रतिनिधियों को खड़ा करें और पता करें कि किसके द्वारा कचरा डाला जा रहा है,

और उन्हे चिंहाकित कर कचरा फेंकने वालों के विरुद्ध निगम के माध्यम से चालानी कार्रवाई कराए। इसके पश्चात भी अगर कचरा दिखाई देता है तो संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

राष्ट्र की संप्रभुता का सम्मान...

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर अमेरिका, जर्मनी और संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों की टिप्पणियों पर भारत सरकार ने सख्त एतराज जताया था। अब विदेशमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आगाह किया है कि उन्हें भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप से परहेज करना चाहिए, नहीं तो इसका बहुत कड़ा जवाब मिलेगा। आमतौर पर अपेक्षा की जाती है कि हर राष्ट्र दूसरे राष्ट्र की संप्रभुता का सम्मान करे और उनके आंतरिक मामलों में दखल देने से परहेज करे, मगर अक्सर देखा जाता है कि कमजोर देशों के मामलों में ताकतवर देश हस्तक्षेप करने का प्रयास करते हैं। इसी आदत के चलते जर्मनी, अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने भारत सरकार को लोकतांत्रिक मूल्यों का पाठ पढ़ाने की कोशिश की थी।

ऐसा नहीं माना जा सकता कि उन राजनयिकों को इस बात की जानकारी नहीं थी कि भारत किस कदर भ्रष्टाचार और धनशोधन संबंधी मामलों को लेकर गंभीर है। ऐसे मामलों के आरोपियों के खिलाफ सख्त कदम उठाता है। फिर भी उन्होंने अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर टिप्पणी की तो उससे यही जाहिर हुआ कि वे भारत के विपक्षी दलों के सुर में सुर मिला रहे हैं। उनकी टिप्पणियों से विपक्षी दलों को सरकार की आलोचना करने का आधार मिल गया था।

यह ठीक है कि यह पहला मौका था जब किसी मुख्यमंत्री को पद पर रहते हुए गिरफ्तार किया गया। उस गिरफ्तारी में समय के चुनाव को लेकर भी सवाल उठे, क्योंकि तब तक आम चुनाव की तारीखों की घोषणा हो चुकी थी। इस तरह चुनाव में सभी राजनीतिक दलों को समान सुविधाएं और

अवसर उपलब्ध कराने का सैद्धांतिक पक्ष बाधित नजर आने लगा। मगर इस पर नजर रखने और कार्रवाई करने का अधिकार भारत के निर्वाचन आयोग और अदालतों को है, न कि संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका या जर्मनी के किसी राजनयिक को।

यह भी ठीक है कि हर देश अपने राजनयिकों के जरिए दूसरे देशों की राजनीतिक गतिविधियों पर नजर रखता, वहां के चुनावों की खोज-खबर लेता रहता है, मगर वह चुनाव प्रक्रिया या वहां के राजनीतिक विवादों में पक्षकार की तरह शामिल नहीं हो सकता। वैसे भी अमेरिका, जर्मनी और संयुक्त राष्ट्र पर अनेक बार सवाल उठते रहे हैं कि वह अपने मित्र राष्ट्रों में हो रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन तक पर चुप्पी साधे रहते हैं। फिलिस्तीन के खिलाफ नियम-कायदों को ताक पर रख कर चलाई जा रही इजराइल की कार्रवाइयों पर वे क्यों मुखर होकर नहीं बोलते या तन कर खड़े होते !

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी कोई ऐसा मामला नहीं था, जिसका अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर कोई बुरा और व्यापक असर पड़ता हो। यहां की जांच एजंसियों ने कानून के दायरे में रहते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की और उसको केजरीवाल की तरफ से अदालत में चुनौती भी दी गई है। उसके गलत या सही होने का निर्णय अदालत को करना है।

उनके पहले भी इसी मामले में कई दूसरे नेता गिरफ्तार किए जा चुके थे। अमेरिका, जर्मनी, संयुक्त राष्ट्र या किसी भी दूसरे देश को उसमें हस्तक्षेप करने का कोई तुक नहीं बनता। हर देश की अपनी संप्रभुता है और वह अपने नियम-कायदों, कानूनों के जरिए चलता है। संयुक्त राष्ट्र को उसके किसी फैसले पर तभी कोई टिप्पणी करने का हक है, जब उससे अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन होता हो। इसलिए भारत के विदेश मंत्रालय ने उचित ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसी टिप्पणियों के प्रति आगाह किया है।

सोशल मीडिया से...

संदेशखाली के दोषियों को मोदी सजा दिलवाकर ही रहेगा। उनकी बाकी जिंदगी जेल में ही कटेगी। ये पूरे देश का चुनाव है। ये देश को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनाने का चुनाव है। इसलिए दिलली में कमजोर नहीं, मजबूत सरकार जरूरी है।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

÷किसी भी ग्लोबल बॉडी को हमें यह बताने की जरूरत नहीं है कि भारत में चुनाव कैसे होना चाहिए। मेरे साथ भारत के लोग हैं। भारत के लोग यह सुनिश्चित करेंगे कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हों। इसलिए, इसके बारे में चिंता न करें।

एस जयशंकर, विदेश मंत्री

यह राधे रानी की भूमि है, अगर आधी आबादी का अपमान करोगे तो आधी आबादी ही नहीं, बल्कि पूरा भारत वर्ष ऐसा सबक सिखाएगा कि आगे से राजनीति करने लायक बच नहीं पाओगे।

योगी आदित्यनाथ, सीएम उप्र

पार्टी आज जिस प्रकार से दिशाहीन होकर आगे बढ़ रही है, उससे मैं खुद को सहज महसूस नहीं कर पा रहा हूं। मैं ना तो सनातन विरोधी नारे लगा सकता हूं और ना ही सुबह-शाम देश के वेल्थ क्रिएटर को गाली दे सकता हूं। इसलिए मैं कांग्रेस पार्टी के सभी पदों व प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे रहा हूं।

गौरव वल्लभ, पूर्व कांग्रेस प्रवक्ता

आज का कार्टून

क्या 'इंडिया' मतभेद भुलाकर एकता बनाए रख पाएगा!

'इंडिया' गठबंधन ने अभी न्यूनतम सांझा कार्यक्रम या संयुक्त प्रचार के बारे में कोई चर्चा नहीं की है। इस गठबंधन में अनेक विरोधाभास हैं और इस स्तर पर अनेक मतभेद देखने को मिल रहे हैं। क्षेत्रीय दलों के लिए चुनावों में कांग्रेस एक उपयोगी सहयोगी है, किंतु वे इस बात का ध्यान रखते हैं कि कांग्रेस कहीं मजबूत न हो जाए। मोदी की भाजपा सुसंगठित है। चुनावी गठबंधन में 'इंडिया' गठबंधन से बहुत आगे है और इसका नेतृत्व एक सुदृढ़ राजनेता द्वारा किया जा रहा है। चाहे प्रवर्तन निदेशालय, सी.बी.आई. और आयकर विभाग पार्टी के पक्ष में कार्य कर रहे हों, यह एक बहस का मुद्दा है, किंतु क्या ये मुद्दे मतदाताओं का ध्यान आकर्षित करते हैं और वोट के रूप मे बदलते हैं? इन सब प्रश्नों का 'इंडिया' गठबंधन को उत्तर देना होगा। संविधान में दलों और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम में भी चुनाव पूर्व या चुनाव पश्चात गठबंधन का कोई उल्लेख नहीं है।

पूनम आई. कौशिश

एकता में फूट या फूट में एकता? चकित हैं? बिल्कुल। क्योंकि 'इंडिया' गठबंधन लोकतंत्र बचाओ के नाम पर रविवार को दिल्ली में एकजुट हुआ, जहां पर उसने भाजपा के विरुद्ध वैचारिक आधार तैयार और प्रतिस्पर्धी महत्वाकांक्षाओं से समझौता किया तथा उसका एकमात्र उद्देश्य 2024 में भाजपा को सत्ता से बाहर करना है। इस रैली में कांग्रेस के माता-पुत्र सोनिया-राहुल, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, राकांपा के पवार, सपा के अखिलेश, राजद के तेजस्वी, पी.डी.पी. की मुफ्ती तो नैशनल कांफ्रैंस के अब्दुल्ला आदि ने जोर-शोर से भाजपा पर संवैधानिक लोकतंत्र की हत्या करने और मोदी पर निरंकुश शासन करने का आरोप लगाया, किंतु यह उनके लिए परीक्षा की घड़ी है। हालांकि इस रैली में उन्होंने भाईचारा दिखाया और लगता है उन्हें इन चुनावों के लिए एक सांझा उद्देश्य मिल गया है।

निस्संदेह 'इंडिया' गठबंधन को 'आप' नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल और झारखंड मुक्ति मोर्चा नेता और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी से एक झटका लगा, किंतु इससे उन्हें 'इंडिया' गठबंधन को मजबूत करने और इस मुद्दे को जनता तक ले जाने का अवसर भी मिला। किंतु बड़ा प्रश्न है कि क्या वे चुनावों से पूर्व राजनीतिक वातावरण को प्रभावित कर पाएंगे क्योंकि न्यायालय दोनों गिरफ्तारियों के बारे में गुणागुण के आधार पर निर्णय लेगा क्योंकि प्रवर्तन निदेशालय और सी.बी.आई. ने विपक्षी नेताओं के विरुद्ध अनेक मामले दायर किए हैं।

दूसरा, क्या 'इंडिया' गठबंधन मतदाताओं को यह विश्वास दिला पाएगा कि भाजपा जांच एंजैंसियों को औजार बना रही है और आयकर विभाग कांग्रेस के खातों को सील कर रहा है? क्या वह चुनावी बॉण्ड को चुनावी मुद्दा बना पाएगा? क्या उनके पास कोई सांझा मुद्दा है, जो उन्हें एकजुट रख सकता है? क्या वे केवल भाजपा के प्रति घृणा के कारण एकजुट हुए हैं, जबकि वे अपने-अपने क्षेत्र की रक्षा के लिए एक-दूसरे के विरुद्ध कार्य कर रहे हैं? पहले ही तृणमूल कांग्रेस की ममता ने कांग्रेस-माकपा पर आरोप लगाया है कि वह भाजपा के हित के लिए काम कर रहे हैं और स्पष्ट कर दिया कि पश्चिम बंगाल में गठबंधन नहीं होगा।

इसके अलावा गठबंधन में सीटों के बंटवारे के मुद्दे पर सहमति नहीं है और जमीनी स्तर पर चुनाव प्रचार में भी कोई समन्वय नहीं है। विशेषकर उन राज्यों में, जहां पर वे गठबंधन में हैं। उन्हें अभी वैकल्पिक शासन और राजनीति के लिए एजैंडा निर्धारित करना है। दूसरा, सम्यक प्रक्रिया का पालन किस तरह से किया जाएगा, जबकि ई.डी. द्वारा विपक्ष के नेताओं के दरवाजे खटखटा कर चुनावी प्रक्रिया को बाधित करने की चिंता व्यक्त की जा रही है तथा दूसरी ओर सी.बी.आई. और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उन नेताओं को दोषमुक्त घोषित किया जा रहा है, जो भाजपा के सहयोगी बन गए। राकांपा के प्रफुल्ल पटेल का एयर 'इंडिया' घोटाला इसका उदाहरण है।

क्या भाजपा मतदाताओं को यह विश्वास दिला पाएगी कि प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई राजनीतिक विद्वेष नहीं है, जैसा कि विपक्ष प्रचारित कर रहा है। दूसरा, 'इंडिया' गठबंधन में तनाव अंतर्निहित है क्योंकि क्षेत्रीय दल ऐतिहासिक रूप से कांग्रेस विरोधी रहे हैं। तेलंगाना और कर्नाटक में कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के विरुद्ध सफल रही है। इसकी तुलना में तमिलनाडु और बिहार में वह क्षेत्रीय दलों की पिछलग्गू बनी है, हालांकि इन राज्यों के कांग्रेसी नेताओं ने इसका विरोध किया है।

यही स्थिति महाराष्ट्र में है, जहां पर राकांपा और शिवसेना-उद्धव गुट कांग्रेस को सीटों के बंटवारे में अपनी मनमर्जी करने नहीं देंगे। बिहार में स्थानीय कांग्रेसी नेताओं में गुस्सा, निराशा, और संदेह पनप रहा है क्योंकि उनका मानना है कि उनके साथ विश्वासघात किया गया है। उत्तर प्रदेश में सपा ने सौदेबाजी की और सुनिश्चित किया कि सीटों के बंटवारे में उसके हितों की रक्षा हो। कांग्रेस जानती है कि संसद में ठीक-ठाक संख्या के लिए उसे अपने सहयोगी दलों और 'इंडिया' गठबंधन के साथ रहना होगा।

'इंडिया' गठबंधन ने अभी न्यूनतम सांझा कार्यक्रम या संयुक्त प्रचार के बारे में कोई चर्चा नहीं की है। इस गठबंधन में अनेक विरोधाभास हैं और इस स्तर पर अनेक मतभेद देखने को मिल रहे हैं। क्षेत्रीय दलों के लिए चुनावों में कांग्रेस एक उपयोगी सहयोगी है, किंतु वे इस बात का ध्यान रखते हैं कि कांग्रेस कहीं मजबूत न हो जाए। मोदी की भाजपा सुसंगठित है। चुनावी गठबंधन में 'इंडिया' गठबंधन से बहुत आगे है और इसका नेतृत्व एक सुदृढ़ राजनेता द्वारा किया जा रहा है। चाहे प्रवर्तन निदेशालय, सी.बी.आई. और आयकर विभाग पार्टी के पक्ष में कार्य कर रहे हों, यह एक बहस का मुद्दा है, किंतु क्या ये मुद्दे मतदाताओं का ध्यान आकर्षित करते हैं और वोट के रूप मे बदलते हैं? इन सब प्रश्नों का 'इंडिया' गठबंधन को उत्तर देना होगा।

संविधान में दलों और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम में भी चुनाव पूर्व या चुनाव पश्चात गठबंधन का कोई उल्लेख नहीं है। इसके अलावा गठबंधन केवल मोदी विरोध के नाम पर नहीं बनाया जा सकता। इसके लिए एक रूपरेखा तैयार करनी पड़ती है। हालांकि 'इंडिया' गठबंधन में इन्क्लूसिव अर्थात समावेशी शब्द शामिल है, किंतु भाजपा ने इसे हड़प लिया है और वह इसकी तुलना तुष्टीकरण की राजनीति से करने लगी है। उसे ऐसी भाषा और रूपरेखा बनानी होगी जो भाजपा की चुनावी मशीन और संसाधनों का मुकाबला कर सके। मोदी पहले ही हिन्दुत्व का मुद्दा उठाकर चुनावी मैदान में उतर आए हैं और राष्ट्रवाद और देश के आत्मसम्मान को मुद्दा बना रहे हैं। विरोधाभास के इस गठबंधन में, जहां पर रणनीतियां चुनावी लाभ के लिए बनाई जा रही हैं, वहां विपक्ष को दूरदर्शिता और लचीलापन अपनाना पड़ेगा और इस दिशा में उसने एक छोटा-सा कदम उठाया है और यदि वे सही दिशा में बढ़ना चाहते हैं तो उन्हें आगे बढ़ना होगा क्योंकि एक कमजोर विपक्ष चाहे उसका कोई भी नाम ले कमजोर ही रहेगा।

भाजपा का आत्मविश्वास इस बात से भी बढ़ जाता है कि अधिकतर राज्यों में उनकी या उनके सहयोगी दलों की सरकार है, साथ ही उन्हें इस बात को भी ध्यान रखना होगा कि अक्सर मत पूर्णत~ अंतरित नहीं होते। इसलिए सीटों का बंटवारा महत्वपूर्ण होगा। इसके अलावा राजग के 39 दलों में से 22 दलों की संसद में कोई भी सीट नहीं है, किंतु यह उनके सामाजिक समूहों को एक महत्वपूर्ण संदेश देता है। उत्तर प्रदेश में भाजपा गठबंधन बड़ा दल है किंतु उसमें अपना दल और निषाद दल भी शामिल हैं और इन दलों को उनकी शक्ति के कारण नहीं, अपितु गैर वर्चस्व वाले पिछड़े समुदायों को एक संदेश देने के लिए राजग में शामिल किया गया है। पार्टी में केन्द्रीकरण के कारण भाजपा में राज्य स्तर के नेताओं का वर्चस्व कम हुआ और यह पार्टी के लिए परेशानी पैदा कर सकता है। दो कार्यकाल में सरकार में रहने के बाद भाजपा असहज है, इसलिए उसे नई सोच और विचारों की आवश्यकता है। कर्नाटक में भाजपा की हार हुई और पांच दक्षिणी राज्यों में अपनी जगह नहीं बना पाई है, जहां से 130 सांसद चुनकर आते हैं। मतदाताओं के लिए 27 दलों या 39 दलों का गठबंधन महत्वपूर्ण नहीं। वे जानते हैं कि भाजपा नंबर एक है और कांग्रेस इस मामले में उससे बहुत दूर है। यह देखना है कि क्या 'इंडिया' गठबंधन आंतरिक मतभेदों को दूर कर एकता बनाए रख पाता है और राहुल के मैच फिक्सिंग जैसे शब्दों को नजरंदाज कर सकता है? मैच फिक्सिंग और यदि वह जीतती है तो वह संविधान बदल देगी, पूरे देश में आग लगाने जा रही है, जैसे शब्द जाल से अलग हो पाता है। लोकतांत्रिक शासन अधिक जटिल बनता जा रहा है, इसलिए राजग और 'इंडिया' गठबंधन को सीटों के बंटवारे और अपने अहम को दूर कर लोकप्रिय और दूरदर्शिता के साथ लोगों के हितों की रक्षा करने के बीच संतुलन बनाना होगा। हमें इस बात को ध्यान में रखना होगा कि भारत के निर्माण का व्यवसाय गणित का विषय नहीं, अपितु राजनीतिक विषय है। देखना यह है कि इस खेल में कौन विजयी होता है।

भारत निर्वाचन आयोग की प्रत्येक गाइडलाइन का अक्षरशः ज्ञान निर्वाचन प्रक्रिया को सुलभ बनाता है - संभागायुक्त

इंदौर। संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में लोकसभा निर्वाचन 2024 की तैयारियों के संबंध में इंदौर संभाग के झाबुआ जिले में राजस्व, पुलिस और नोडल अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक अनुराग और पुलिस उप महानिरीक्षक निमिष अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

बैठक में संभागायुक्त दीपक सिंह ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की प्रत्येक गाइडलाइन का अक्षरशः ज्ञान निर्वाचन प्रक्रिया को सुलभ बनाता है। उन्होंने निर्देश दिये कि दिव्यांगजनों और 85+ आयु के वृद्धजनों के लिए घर पर मतदान की पर्याप्त सुविधाएँ उपलब्ध कराये। मतदान केन्द्रों पर जरूरी सुविधाएं जैसे पीने का पानी, शौचालय, छाया, बैठने की व्यवस्था, स्वच्छता आदि की समुचित व्यवस्था की जाए। अन्तर्राज्यीय समन्वय की बैठक और उसकी समीक्षा बैठक निरन्तर की जाए। वल्नरेबल और क्रिटीकल मतदान केन्द्रों की मैपिंग के लिए सेक्टर ऑफिसर और सेक्टर पुलिस का ओरिएंटेशन किया जाए। मतदान कर्मियों को अच्छी तरह प्रशिक्षण दिया जाये। रिजर्व ईवीएम के लिए उचित प्रबंधन करें। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक अनुराग द्वारा निर्देशित किया गया कि पुलिस और प्रशासन समन्वित रूप से कार्य कर जिले में शांतिपूर्वक निर्वाचन सम्पन्न कराये।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नेहा मीना द्वारा अब तक की गयी तैयारियों का ब्यौरा पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 981 मतदान केन्द्र और 2 सहायक मतदान केन्द्र हैं, जिन्हें आदर्श मतदान केन्द्र बनाने के सन्दर्भ में कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत तैयार सैम्पल मतदान केन्द्र भी दिखाया गया। इसी दौरान ईपिक कार्ड के प्रिंटिंग और डिलीवरी स्टेटस, जिले का ईपी रेशियो (68.22), जिले में थर्ड जेण्डर मतदाता की संख्या, विधानसभा निर्वाचन 2023 में होम वोटिंग के लिए पात्र वृद्धजनों और दिव्यांगजनों की संख्या, ईवीएम की उपलब्धता और एफएलसी स्टेटस, प्रशासन के पास मतदान कार्य के आयोजन के लिए उपलब्ध अमला, प्रशिक्षण शेड्?यूल, सम्पत्ति विरूपण के तहत की गई कार्यवाही, 1950 और सी-विजिल पर आयी शिकायत और उनका निवारण, कोलाहल अधिनियम के तहत दर्ज कुल 10 शिकायत,आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के तहत की गयी कार्यवाही, पुलिस और आबकारी के द्वारा अवैध शराब की रोकथाम के लिए की गयी कार्यवाही से विस्तृत रूप से अवगत कराया गया। पुलिस कमिश्नर पद्म विलोचन शुक्ल द्वारा अन्तर्राज्यीय 16 चेकपोस्ट और जिले की सीमा पर स्थित चेकपोस्ट की जानकारी देते हुए बताया गया कि वर्तमान में 5 एसएसटी दल कार्यान्वित है और उनके द्वारा की गयी सीजर कार्यावाही से अवगत कराया गया।

एक दिन पहले और मतदान वाले दिन अख़बारो में एमसीएमसी से पूर्व प्रमाणित राजनैतिक विज्ञापन ही प्रकाशित हो सकेंगे

इंदौर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि मध्यप्रदेश के 29 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में 4 चरण में निर्वाचन प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी?। पहले चरण में 6 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में 19 अप्रैल को, दूसरे चरण में 7 लोकसभा सं सदीय क्षेत्रों में 26 अप्रैल को, तीसरे चरण में 8 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में 7 मई को और चौथे चरण में 8 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में 13 मई को मतदान होगा। राजन ने बताया कि प्रदेश में मतदान के दिन और मतदान के एक दिन पहले प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणित कराना होगा। एमसीएमसी कमेटी से पूर्व प्रमाणित विज्ञापन ही प्रिंट मीडिया में प्रकाशित हो सकेंगे। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रिंट मीडिया में मतदान की तिथि व मतदान से पूर्व दिवस पर प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों के लिये विशेष व्यवस्था दी गई है। नियमानुसार प्रिंट मीडिया में प्रकाशन के लिए विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणन के लिए राजनैतिक दल/आवेदकों को मतदान के दिन और मतदान से पूर्व दिवस पर विज्ञापन के प्रकाशित होने की प्रस्तावित तिथि से दो दिन पहले जिला/राज्यस्तरीय मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनीटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) को आवेदन देकर पूर्व प्रमाणन कराना होगा। पूर्व प्रमाणन के पश्चात ही समाचार पत्रों में ऐसे प्रचार विज्ञापन प्रकाशित किये जा सकेंगे। राजन ने बताया कि पहले चरण के 6 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों सीधी, शहडोल (अजजा), जबलपुर, मंडला (अजजा), बालाघाट एवं छिंदवाड़ा में 18 अप्रैल एवं मतदान तिथि 19 अप्रैल को प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणित कराना होगा। दूसरे चरण के 7 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों टीकमगढ़ (अजा), दमोह, खजुराहो, सतना, रीवा, नर्मदापुरम एवं बैतूल (अजजा) में 25 अप्रैल एवं मतदान तिथि 26 अप्रैल को प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणित कराना होगा।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती

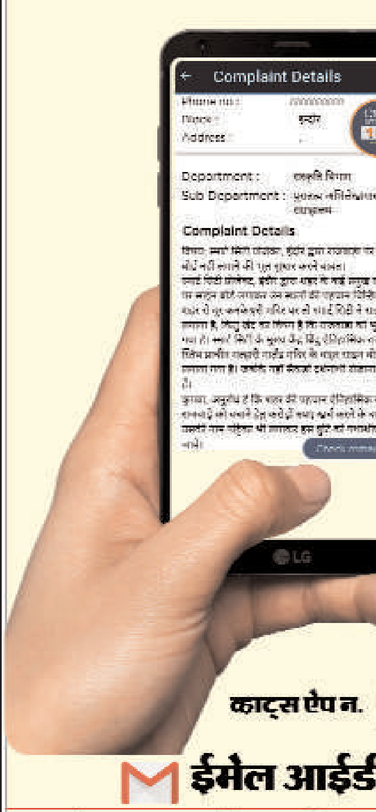

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सदभावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

Kings' College establishes campus in Gurugram with international faculty; school to begin in 2025

Global Educational Venture (GEV) and Swami Vivekanand Institute of Engineering and Technology (SVIET) have officially signed an agreement to establish a branch of the KingÓs College, UK in Gurugram. KingÓs College, originally based in the UK, was established over vz® years ago and has been known for its legacy. As per the official information provided to indiane&press.com, the school will follow the Cambridge/IB curriculum for various classes, leading to IGCSE and A levels/ IB Diploma. The first year of academic operations will begin in w®wz.

Admissions will be conducted as per the norms of the state and as specified by the KingÓs College based in the UK. All the details about the admission process, including tuition fee and scholarships, will be announced once the school begins admission process. The institute also clarified that most of the faculty will be from the UK/Europe or other countries, including the head of the school and coordinators. Some faculty will be from India as per the requirement of the subject and the competencies of the member.

CISCE revises Class 11, 12 syllabus

In an official notification, the Council for the Indian School Certificate E&aminations (CISCE) informed that the syllabus for Class vv and Class vw has been revised. In a letter to the Heads of ISC schools, the council informed that the Syllabus for Class XII, ISC Year w®wz E&amination and the Syllabus for Class XI Academic Year w®wy - wz have been revised for some subjects. "The revised syllabus and its scope, for Class XII - ISC Year w®wz E&amination and Class XI - ISC Academic Year w®wy-wz are available on CISCE's website: cisce.org under the tab ÒLibrary (Publications)," mentioned the official letter.

NCERT textbooks for Classes 3, 6 under new syllabus to be available in April, May

The National Council of Educational Research and Training (NCERT) will release the books for Classes x and { under the new syllabus in April and May, respectively. The Council has asked the parents and students to be patient and not to get worried. The announcement to release the te&tbooks this month and May comes after the Central Board of Secondary Education (CBSE) earlier last week had directed all affiliated schools to follow the new syllabi and te&tbooks for Classes x and { from the w®wy-wz academic session.

The NCERT also said that it is making efforts to provide school books on time and about xx lakh books of Classes v, w, |, }, v® and vw have been printed and delivered to bookshops so far. While books for classes x, y, z, ~ and vv will be available in the market by this month, the Class { books will be available in May, the Council added. The plan to release the books for the two classes under the new syllabus is made by NCERT as Class x marks the start of preparatory and Class { marks the beginning of the middle stages and they needed a revamp so that they are in line with the National Curriculum Framework for School Education (NCFSE). To ensure a seamless transition into the new syllabus, the NCERT had also prepared "bridge programme" for Class { and "brief guidelines" for Class x for schools affiliated to the Central Board of Secondary Education (CBSE), Kendriya Vidyalaya Sangathan (KVS) and Navodaya Vidyalaya Samiti (NVS).

एसजीएसआइटीएस के छात्रों ने तैयार की हेल्थ केयर डिवाइस, अस्पताल जाने की नहीं होगी जरूरत

इंदौर। श्री गोविंदराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एसजीएसआइटीएस) के छात्रों ने एक नवाचार किया है। यह घरों में ही स्वास्थ्य की देखभाल करने में सहायक होगा। संस्थान के इंफार्मेशन एंड टेक्नोलाजी (आइटी विभाग) और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर और छात्रों ने मिलकर एक स्मार्ट हेल्थ केयर डिवाइस बनाई है। यह डिवाइस शरीर के तापमान, एसपीओ2 लेवल और दिल की धड़कनों को मापने में सक्षम है। इसके जरिए व्यक्ति अपने घर पर ही इन तीनों चीजों की मानिटरिंग कर सकता है।बायोमेडिकल विभाग के प्रो. विनय मानूरकर ने बताया कि दोनों विभागों ने मिलकर इस डिवाइस को तैयार किया है। यह एक डिजिटल स्टेथोस्कोप है। स्टेथोस्कोप से ट्यूब निकालकर इसे वायरलेस बनाया गया है। स्टेथोस्कोप के पीछे एक सिस्टम लगाया गया है, जो चेकअप की सभी जानकारी मोबाइल में भेज देगा। इस डिवाइस से दूर से ही खड़े होकर व्यक्ति के दिल की धड़कनों की जांच की जा सकती है। साथ ही शरीर के तापमान और एसपीओयू2 के स्तर की भी जांच कर सकते हैं। इसके लिए एक मोबाइल एप भी तैयार किया गया है। इसमें व्यक्ति की रिपोर्ट की जानकारी मिल जाएगी। मार्केट में यह हेल्थ केयर डिवाइस चार से पांच हजार रुपये की कीमत पर उपलब्ध है, जबकि हमने इसे दो हजार रुपये की लागत में तैयार किया है। इंडस्ट्री लेवल पर इसे तैयार करने पर यह 1500 रुपये में ही तैयार हो जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में जो लोग अस्पताल नहीं जा पाते, वह इस डिवाइस से रोज अपने स्वास्थ्य की देखभाल कर सकते हैं। इससे शरीर की रोज मानिटरिंग की जा सकती है। आगे चलकर इस डिवाइस में रक्तचाप माप को भी एकीकृत करने की योजना है। एसजीएसआइटीएस के निदेशक प्रो. राकेश सक्सेना ने कहा कि इस डिवाइस से हर व्यक्ति घर में रहकर रेगुलर अपना हेल्थ चेकअप कर सकता है। इस डिवाइस को तैयार करने में आइटी विभाग की प्रो. पूजा गुप्ता और छात्रों का सहयोग है।

Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana 4.0 gets tarnished...

Hundreds of training partners and Lacs of students are being affected regarding the registration date, secretary is not giving specific reply

Dainik Sadbhawna Paati

Poonam Sharma / Vinay Verma

Delhi/Indore. Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana 4.0 was launched with the aim of providing skills to the youth for domestic and international employment opportunities, in which about 47 lakh students were to get the benefit of the scheme through almost 800 training partners across the country. Due to the negligence of the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, the scheme seems to be going astray. As Ministry not extending the deadline for registration, this scheme seems to be getting ruined due to which lakhs of students along with their training partners may have to suffer a financial loss of crores of rupees.

Forsooth, the deadline for enrollment of students was given by the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship as 15 March 2024, whereas the allotment to the training partners took place from 10 to 15 March, hence this date was extended by 15 days till 31 March 2024. In that case, admission, KYC, enrollment etc. of thousands of students is absolutely not possible in just 15 days span of time. In such circumstances, training partners have invested lakhs of rupees in their infrastructure, labs, equipment, staff etc. So if there is no changes happen in registration date, then hundreds of training partners across the country are sure to lose crores of rupees and also there will be loss of the time of lakhs of admitted students. Till now, more than 200 training partners across the country have contacted the Ministry in this regard through emails, complaints and directly contacted the officials, but they have not received any satisfactory response at any level. According to sources, thousands of emails have been sent to the central Minister Dharmendra Pradhan of the Department, and the officials of the Ministry, but no response is being received, dozens of training partners are stumbling from door to door in the Ministry.

● About 15 PMKVY training partners in Indore-

There are about vz training partners of PMKVY in Indore to whom allotment has been given to train about 20000 students.

About the scheme-

Under PMKVY, the unemployed youth of the country can choose the option of training as per their interest in more than 60 technical fields like Electronics and Hardware, Construction, Furniture and Fittings, Processing, Handicraft, Gems and Jewellery and Technology etc. and can get free training in their nearest PMKVY center.

In this context, when Dainik Sadbhawna Paati tried to contact the ministry, no one picked up the phone.

2000 पर पहुंचा महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर, गदगद हुए आनंद महिंद्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते गुरुवार को शेयर बाजार में तूफानी तेजी के बीच महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के शेयरों ने भी नया रिकॉर्ड बनाया। सप्ताह के चौथे ट्रेडिंग डे पर रू‹रूके शेयर 2,014.90 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। इस तेजी को देखकर महिंद्रा एंड महिंद्रा के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने उस दौर को याद किया जब कंपनी के शेयर रेंग रहे थे। आनंद महिंद्रा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रू‹रू शेयर के गुरुवार की क्लोजिंग प्राइस के एक स्क्रीनशॉट को शेयर किया। इसके साथ ही उन्होंने लिखा- दिसंबर 2019 में जब शेयर की कीमत लगभग 500 तक गिर गई थी, उस दौरान मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में तत्कालीन सीएफओ ने शेयर के साल 2022 तक 2000 रुपये पर पहुंचने की उम्मीद की थी। आनंद महिंद्रा ने आगे लिखा- निश्चित रूप से हमें यह नहीं पता था कि एक वैश्विक महामारी आने वाली है और अगले कुछ साल हर किसी के लिए चुनौतीपूर्ण होने वाले हैं।

645.6 बिलियन डॉलर के ऐतिहासिक हाई पर जा पहुंचा विदेशी मुद्रा भंडार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार नए ऐतिहासिक रिकॉर्ड हाई पर जा पहुंचा है। 29 मार्च 2024 को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 645.6 बिलियन डॉलर के उच्च स्तर पर जा पहुंचा है जो इसके पहले हफ्ते में 642.63 बिलियन डॉलर रहा था। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक के बाद लिए गए फैसलों का एलान करते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने ये जानकारी दी।

विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड हाई पर

आरबीआई गवर्नर ने पॉलिसी स्टेटमेंट पढ़ते हुए कहा कि 29 मार्च 2024 को खत्म हुए सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अपने ऑलटाइम हाई लेवल 645.6 बिलियन डॉलर पर जा पहुंचा है यानि पिछले एक हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 3 बिलियन डॉलर का उछाल देखने को मिला है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि अलग अलग बाहरी लचीलेपन वाले इंडीकेटर्स भारत के एक्सटर्नल सेक्टर की मजबूती की ओर इशारा कर रहे हैं। शक्तिकांत दास ने कहा, हम अपने एक्सटर्नल फाइनेंसिंग जरूरतों को पूरा करने में कामयाब रहेंगे।

रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते आई थी गिरावट

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि अक्टूबर 2021 में भी विदेशी मुद्रा भंडार 642 बिलियन डॉलर के रिकॉर्ड हाई पर जा पहुंचा था लेकिन रूस और यूक्रेन के युद्ध और डॉलर के भारत से आउटफ्लो के चलते इसमें गिरावट देखने को मिली थी।

UGC launches training for 45 Central Universities' non-teaching staff

In a significant move aimed at enhancing the skills and capabilities of non-teaching staff across all yz Central Universities, the University Grants Commission (UGC) has partnered with the Capacity Building Commission (CBC) to launch a capacity-building training program. The initiative, launched under the 'Mission Karmayogi' of the Department of Personnel and Training (DOPT), is designed to improve standardisation and coordination across various civil services in India.

The CBC, established by the Government of India, operates under the 'Mission Karmayogi' with a primary focus on enhancing the skills, knowledge, and abilities of government employees. The goal is to ensure that civil servants are well-equipped to provide high-quality public services in today's rapidly changing world.

ASSESSMENTS CONDUCTED IN 2023 BY UGC

According to an official release, UGC conducted assessments in w®wx to identify the specific capacity needs of its employees, including behavioural, functional, and domain competencies. Based on these assessments, training programmes were designed to address competency gaps and facilitate long-term capacity building tailored to the roles and responsibilities of UGC employees.

Since October w®wx, over {xz UGC employees have completed around zy}® courses on the iGot (Integrated Government Online Training) Karmayogi platform as part of this programme.

The iGOT platform offers a variety of courses covering different topics, including Introduction to Emerging Technologies using AI, Overview of Data-Driven Decision Making (DDDM), Mission Life, Yoga at Workplace, Introduction to Microsoft E&cel, Noting & drafting, RTI Act, GFR rules, and Communication Skills.

OTHER DECISIONS BY UGC

Building on its success in capacity building, UGC has decided to e&pand the programme to the non-teaching staff of Central Universities. The capacity-building training for non-teaching staff members from yz Central Universities was launched today in collaboration with the Capacity Building Commission.

UGC aims to train at least z®®® employees from all Central Universities in the first phase of this programme.

The training programme for non-teaching staff covers a wide range of topics, including understanding psychology in workflow, utilising technology in workflow, grasping the higher education ecosystem, managing academics, handling establishment matters, managing finances, and project management.

Non-teaching staff members in Central Universities are required to complete courses in these areas available on the iGOT Mission Karmayogi platform within four months. Upon completion, employees will receive certificates as recognition of their efforts and newly acquired skills.

NCERT Textbook Revision: Babri Masjid, Gujarat Riot Reference Omitted in New Class 12 Political Science Syllabus

In a recent development, the National Council for Educational Research and Training (NCERT) revised its Class vw political science te&tbook. References to topics such as the Babri Masjid demolition, Ram Janambhoomi, the politics of Hindutva, the w®®w Gujarat riots, and minority concerns have been omitted from certain sections of the te&tbook, reported Hindustan Times.

The updated political science te&tbook for class vw is another addition to the e&panding list of recent modifications and adjustments to te&tbooks covering contentious subjects. These changes are part of the NCERTÓs ongoing rationalisation of school te&tbooks for the w®wy-wz academic year, which was recently communicated to the Central Board of Secondary Education (CBSE). The revisions, particularly in Chapter } - "Recent Developments in Indian Politics" of the te&tbook "Politics in India since Independence," are noteworthy. The Ayodhya agitation, including the demolition of the Babri Masjid on December {, v~~w, received little attention. The original question,

"What is the legacy of the Ram Janambhoomi movement and the Ayodhya demolition for the nature of political mobilisation?" has been rephrased to "What is the legacy of the Ram Janmabhoomi movement?" According to the Hindustan Times, NCERTÓs rationale was to tie together the questions with internal revisions made to the chapter. In addition, this chapter has been edited to e&clude any mention of the Babri Masjid and the politics of Hindutva. Similarly, in Chapter z titled ÒDemocratic RightsÓ, a reference to the Gujarat riots has been omitted from the caption to a news collage.

किताबों की महंगाई का बोझ ऐसे कम कर रहे अभिभावक

इंदौर। नर्सरी कक्षा से ही पढ़ाई महंगी हो गई है। मोटी फीस के साथ ही महंगी किताबें खरीदना पालकों को भारी पड़ रहा है। स्कूलों द्वारा लिखी जाने वाली किताबें इतनी महंगी हैं कि आम आदमी के लिए उसे खरीदना थोड़ा मुश्किल है। इन महंगी किताबों का बोझ कम करने का रास्ता इंदौर के पालकों ने खोज लिया है। इसके लिए वह एक-दूसरे का सहारा बनते हुए किताबों को आपस में बदल रहे हैं।इसके लिए पालकों ने एक वाट्सएप ग्रुप बनाया गया है।

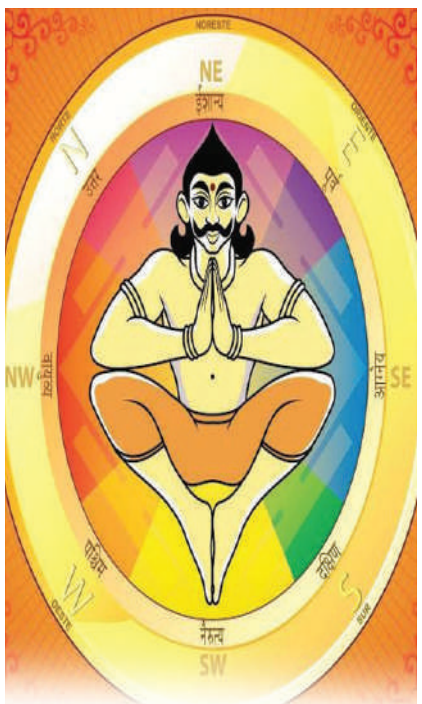

दक्षिण दिशा को क्यों माना गया है अशुभ

धरती के मान से है हिन्दू धर्म, ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में दक्षिण दिशा को अशुभ माना गया है। इस दिशा में घर का मुख्य द्वार नहीं होना चाहिए और इस दिशा में पैर करके सोने के नुकसान भी बताए गए हैं। इस दिशा में मुंह करके पूजा पाठ भी नहीं किया जाता है। आओ जानते हैं कि आखिर इस दिशा को क्यों नकारात्मक और अशुभ माना गया है।

दक्षिणी ध्रुव – दरअसल, पृथ्वी के दोनों ध्रुवों उत्तरी तथा दक्षिण ध्रुव में चुम्बकीय प्रवाह होता है। उत्तरी ध्रुव पर धनात्मक (+) प्रवाह तथा दक्षिणी ध्रुव पर ऋणात्मक (–) प्रवाह होता है। उसी तरह मानव शरीर में भी सिर में धनात्मक (+) प्रवाह तथा पैरों में ऋणात्मक (–) प्रवाह होता है। विज्ञान के अनुसार दो धनात्मक (+) ध्रुव या दो ऋणात्मक (–) ध्रुव एक दूसरे से दूर भागते हैं। अत- यदि आप दक्षिण में पैर करके सोते हैं तो आपके स्वास्थ्य के लिए यह हानिकारक साबित होता है। इससे आपकी ऊर्जा का क्षरण होगा। उर्जा के अतिरिक्त निष्कासन से आपकी मानसिक स्थिति भी बिगड़ सकती है। दक्षिण दिशा में दक्षिणी ध्रुव है जिसका नकारात्मक प्रभाव बना रहता है। दक्षिण दिशा में पैर करके सोने से हानि, स्मृति भ्रम, मृत्यु और रोग का भय रहता है।

यम की दिशा – यह दिशा यम की दिशा भी मानी गई है। कहते हैं कि दक्षिण का मकान सबसे खराब होता है। यदि घर की दक्षिण दिशा दूषित है तो यह यम और यम के गणों के प्रभाव को बढ़ाएगा। दक्षिण दिशा में पैर और उत्तर दिशा में सिर– यह ऐसी पोजिशन है जिसमें शवों को रखा जाता है। इसलिए कि उसकी संपूर्ण ऊर्जा बाहर निकल जाए। दक्षिण में यम, यमदूतों और दुष्टों का निवास होता है।

मंगल की दिशा है दक्षिण – दक्षिण दिशा में मंगल ग्रह है। मंगल ग्रह एक क्रूर ग्रह है। इस दिशा में पैर करके सोने से भी मंगल दोष उत्पन्न होने की संभावना रहती है। इसी के साथ ही यदि इस दिशा में द्वारा है तो मंगल का बुरा प्रभाव भी बना रहता है। इस दिशा के मंगल से दूषित होने से चिढ़चिढ़ापन, क्रोध, भाइयों से अनबन, गृहकलह जैसी आदि परेशानियां खड़ी होती हैं जिसके चलते धन हानि होती है।

सूर्य की खराब किरणें – दक्षिण दिशा में सूर्य सबसे ज्यादा देर तक रहता है जिसके कारण मकान का मुख द्वार तपता रहता है। इसके चलते घर में ऑक्सिजन की कमी हो जाती है। ऑक्सिजन की कभी से घर के सदस्य चिढ़चिढ़े हो जाते हैं और उनकी सेहत पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। दक्षिण दिशा से अल्ट्रावायलेट किरणों का प्रभाव ज्यादा रहता है जो शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए ठीक नहीं है।

महिलाओं के लिए अशुभ है यह दिशा – दक्षिणी दिशा पृथ्वी का प्रतीक है। इसके अधिपति यमदेव हैं। यह दिशा स्त्रियों के लिए अत्यंत अशुभ तथा अनिष्टकारी होती है।

सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है वास्तु सम्मत नव निर्माण

जीवन में सफलता पाने में शुभ ऊर्जा और सकारात्मक सोच की खासी जरूरत होती है, जो कि हमें आसपास के माहौल और हमारे निवास से मिलती है। ऐसे में यदि नव निर्माण वास्तु सम्मत कराया जाए तो घर का हर कोना आपको सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है। अपने घर को वास्तु के अनुसार कुछ यूं बनाया जा सकता है।

स्नानघर

स्नानघर, गुसलखाना, नैऋत्य (पश्चिम–दक्षिण) कोण और दक्षिण दिशा के मध्य या नैऋत्य कोण व पश्चिम दिशा के मध्य में होना सर्वोत्तम है। इसका पानी का बहाव उत्तर–पूर्व में रखे। गुसलखाने की उत्तरी या पूर्वी दीवार पर एग्जास्ट फैन लगाना बेहतर होता है। गीजर आग्नेय (दक्षिण–पूर्व) कोण में लगाना चाहिए क्योंकि इसका संबंध अग्नि से है। ईशान व नैऋत्य कोण में इसका स्थान कभी न बनवाएं।

शौचालय

शौचालय सदैव नैऋत्य कोण व दक्षिण दिशा के मध्य या नैऋत्य कोण व पश्चिम दिशा के मध्य बनाना चाहिए। शौचालय में शौच करते समय आपका मुख दक्षिण या पश्चिम दिशा की ओर होनी चाहिए। शौचालय की सीट इस प्रकार लगाएं कि उस पर बैठते समय आपका मुख दक्षिण या पश्चिम की ओर ही हो। प्रयास करें शौचालय एवं स्नानगृह अलग–अलग बनाएं। वैसे आधुनिक काल में दोनों को एक साथ संयुक्त रूप में बनाने का फैशन चल गया है। उत्तरी व पूर्वी दीवार के साथ शौचालय न बनाएं।

मुख्यद्वार

द्वार में प्रवेश करते समय द्वार से निकलती चुंबकीय तरंगें बुद्धि को प्रभावित करती हैं। इसलिए प्रयास करना चाहिए कि द्वार का मुंह उत्तर या पूर्व में ही हो। दक्षिण और पश्चिम में द्वार नहीं होना चाहिए।

सोपान या सीढ़ी

भवन में सीढ़ियां वास्तु नियमों के अनुरूप बनानी चाहिए। सीढ़ियों का द्वार पूर्व या दक्षिण दिशा में होना शुभफलप्रद होता है। सीढ़ियां भवन के पाश्र्व में दक्षिणी व पश्चिमी भाग में दाएं ओर हो, तो उत्तम है। यदि सीढ़ियां घुमावदार बनानी हो, तो उनका घुमाव सदैव पूर्व से दक्षिण, दक्षिण से पश्चिम, पश्चिम से उत्तर और उत्तर से पूर्व की ओर होना चाहिए। कहने का मतलब यह है कि चढ़ते समय सीढ़ियां हमेशा बाएं से दाएं ओर मुड़नी चाहिए। सीढ़ियां हमेशा विषम संख्या में बनानी चाहिए। सीढ़ियों की संख्या ऐसी हो कि उसे 3 से भाग दें तो 2 शेष रहे। जैसे 5, 11, 17, 23, 29 आदि की संख्या। सीढ़ियों के नीचे एवं ऊपर द्वार रखने चाहिए। यदि किसी पुराने घर में सीढ़ियां उत्तर–पूर्व दिशा में बनी हो, तो उसके दोष को समाप्त करने के लिए दक्षिण–पशचिम दिशा में एक कमरा बनाना चाहिए। वास्तु में सोपान का अहम रोल होता है।

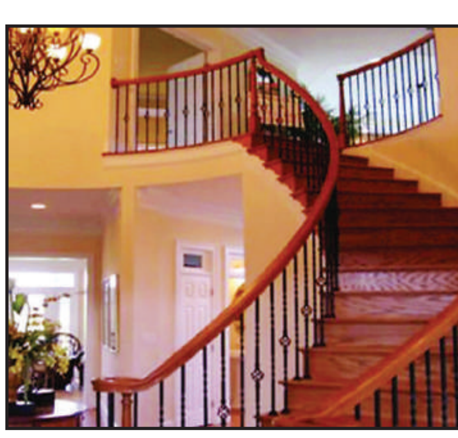

आंगन

भवन का प्रारूप इस प्रकार बनाना चाहिए कि आंगन मध्य में हो या जगह कम हो तो भवन में खुला क्षेत्र इस प्रकार उत्तर या पूर्व की ओर रखें जिससे सूर्य का प्रकाश व ताप भवन में अधिकाधिक प्रवेश करें। ऐसा करने पर भवन में रहने वाले स्वस्थ व प्रसन्न रहते हैं। पुराने समय में बड़ी–बड़ी हवेलियों में विशाल चौक या आंगन को देखकर इसके महत्व का पता चलता है।

खिड़कियां

भवन में मुख्य गेट के सामने खिड़कियां ज्यादा प्रभावी होती हैं। कहते हैं इससे चुंबकीय चक्र पूर्ण होता है औरघर में सुख–शांति निवास करती है। पश्चिमी, पूर्वी और उत्तरी दीवारों पर भी खिड़कियों का निर्माण शुभ होता है। भवन में खिड़कियों का मुख्य लक्ष्य भवन में शुद्ध वायु के निरंतर प्रवाह के लिए होता है। यहां सबसे ज्यादा ध्यान देने वाली बात यह है कि भवन में कभी भी खिड़कियों की संख्या विषम न रखें। सम खिड़कियां शुभ होती हैं।

बालकनी

हवा, सूर्य प्रकाश और भवन के सौंदर्य के लिए आवासीय भवनों में बालकनी का खासा स्थान है। बालकनी भी एक प्रकार से भवन में खुले स्थान के रूप में मानी जाती है। बालकनी से सूरज कीक किरणें और प्राकृतिक हवा मिलती है। वास्तु सिद्धांतों के अनुसार बालकनी बनाई जा सकती है। यदि पूर्वोन्मुख भूखंड है, तो बालकनी उत्तर–पूर्व में उत्तर की ओर बनानी चाहिए। बालकनी उत्तर–पश्चिम में उत्तर की ओर बनानी चाहिए। यदि उत्तरोन्मुख भूखंड है, तो बालकनी उत्तर–पूर्व में उत्तर की ओर बनानी चाहिए। यदि दक्षिणोन्मुख भूखंड है, तो बालकनी दक्षिण–पूर्व में दक्षिण दिशा में बनाएं। बालकनी का स्थान भूखंड के मुख पर निर्भर है। लेकिन प्रयास यह होना चाहिए कि प्रात: कालीन सूर्य एवं प्राकृतिक हवा का प्रवेश भवन में होता रहे। ऐसा होने से मकान कई दोषों से मुक्त हो जाता है।

स्वागत कक्ष या बैठक

आज के दौर में भवन में स्वागतकक्ष का महत्व सबसे ज्यादा है। प्राचीनकाल में इसे बैठक के नाम से जाना जाता था। स्वागतकक्ष या बैठक में मसनद व तकिए या फर्नीचर दक्षिण और पश्चिम दिशाओं की ओर रखना चाहिए। स्वागतकक्ष या बैठक जहां तक संभव हो उत्तर और पूर्व की ओर खुली जगह अधिक रखनी चाहिए। स्वागतकक्ष भवन में वायव्य और ईशान और पूर्व दिशा के मध्य में बनाना चाहिए।

जीवन में सफलता पाने में शुभ ऊर्जा और सकारात्मक सोच की खासी जरूरत होती है, जो कि हमें आसपास के माहौल और हमारे निवास से मिलती है। ऐसे में यदि नव निर्माण वास्तु सम्मत कराया जाए तो घर का हर कोना आपको सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है।

अध्ययन कक्ष

अध्ययन कक्ष हमेशा ईशान कोण में ही पूजागृह के साथ पूर्व दिशा में होना चाहिए। प्रकाश की ऊर्जा ही घर में सकारात्मकता लाती है, लिहाजा पूरब दिशा में स्टडी रूम काफी प्रभावी माना जाता है। वायव्य और पश्चिम दिशा के मध्य या वायव्य व उत्तर के मध्य बना सकते हैं। ईशान कोण पूजागृह के पास सर्वोत्तम है।

भोजनालय या भोजनकक्ष

भोजनकक्ष ड्राइंगरूम का ही एक भाग बन गया है या अलग भी बनाया जाता है। डायनिंग टेबल ड्राईगरूम के दक्षिण–पूर्व में रखनी चाहिए अथवा भोजन कक्ष में भी दक्षिण–पूर्व में रखनी चाहिए।

मीटर बोर्ड, विद्युतकक्ष

अग्नि या विद्युत–शक्ति, मीटरबोर्ड, मेन स्विच, विद्युतकक्ष आदि भवन में दक्षिण–पूर्व (आग्नेय) दिशा में लगाने चाहिए। अग्नि कोण इसके लिए सदैव उत्तम रहता है।

गैराज

वाहन (कार, गाड़ी) खड़ा करने के लिए गैराज की आवश्यकता होती है। फ्लैट, बंगला या बड़े घर (जिसके पास जगह अधिक है) में गैराज दक्षिण–पूर्व या उत्तर–पश्चिम दिशा में बनाना चाहिए। यह बात ध्यान में रखें कि गैराज में उत्तर और पूर्व की दीवार पर वजन कम होना चाहिए। यदि भूखंड पूर्वोन्मुखी है, तो दक्षिण–पूर्व दिशा में पूर्व की ओर, यदि भूखंड उत्तरोन्मुख है, तो उत्तर–पश्चिम दिशा में उत्तर की ओर, यदि भूखंड पश्चिमोन्मुख है, तो दक्षिण–पशचिम दिशा में पश्चिम की ओर, यदि भूखंड दक्षिणोन्मुख हो, तो दक्षिण–पशचिम दिशा में पश्चिम की ओर गैराज बनाना चाहिए।

जल प्रवाह

भवन निर्माण में जल के प्रवाह का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। भवन का समस्त जल प्रवाह पूर्व, वायव्य, उत्तर और ईशान कोण में रखना शुभ होता है। भवन का जल ईशान (उत्तर–पूर्व) या वायव्य (उत्तर–पश्चिम) कोण से घर से बाहर निकालना चाहिए। वास्तु के अनुसार दिशाओं का जरूर ध्यान रखें। दिशाएं दशा बदलने का माद्दा रखती हैं।

ड्राइंग रूम में कभी भी नकारात्मक चित्र न लगाएं

बैठक रूम को स्वागत कक्ष, ड्राइंग रूम या लिविंग रूम कहते हैं। बैठक रूप से ही आपके घर और व्यक्तित्व का पता तो चलता ही है साथ ही इससे वास्तु कैसा होगा यह भी पता चलता है। अत: यह ध्यान देना जरूरी है कि हम बैठक रूप में किसी तरह के चित्र लगा रहे हैं। यदि आप नकारात्मक चित्र लगाएंगे तो मन और मस्तिष्क में भी नकारात्मकता फैल जाएगी जो कि जिंदगी को बर्बादी के रास्ते पर भी ले जा सकती है, तो जानते हैं कि कौन से चित्र हम बैठक रूम में लगा सकते हैं।

- धन चाहिए तो बैठक रूम में हंस की बड़ी–सी तस्वीर लगाएं जिससे कि अपार धन–समृद्धि की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। इसके अलावा कहीं किसी कोने में धन के ढेर का एक छोटा–सा चित्र भी लगा सकते हैं।
- शांति चाहिए तो गृह कलह या वैचारिक मतभेद से बचने के लिए हंसते–मुस्कुराते संयुक्त परिवार का चित्र लगाएं। खुद के ही परिवार के सदस्यों का प्रसन्नचित मुद्रा में दक्षिण–पशचिम दिशा के कोने में एक तस्वीर लगाएं।
- तरह तरह की तरक्की चाहिए तो समुद्र किनारे दौड़ते हुए 7 घोड़ों की तस्वीर लगाने के लिए पूर्व दिशा को शुभ माना गया है। यह तस्वीर किसी वस्तुशास्त्री से पूछकर ही लगाएं।
- घोड़ों की तस्वीर न लगाना चाहें तो आप तैरती हुए मछलियों के चित्र भी लगा सकते हैं। इससे भी तरक्की और खुशहाली के मार्ग खुलते हैं।
- बैठक रूम में घर के मुखिया की सीट के पीछे हरेभरे सुंदर पहाड़ या उड़ते हुए पक्षी का चित्र लगा सकते। ऐसी तस्वीरों से अत्मविश्वास और मनोबल बढ़ता है।
- बैठक रूम की पूर्वी दीवार को उगते हुए सूरज, फलों और फूलों की कुछ चित्रों द्वारा सजाया जा सकता है। यह मन में प्रसन्नता और ताजगी देता है।
- यदि आप बैठक रूम में देवी या देवताओं के चित्र लगाना ही चाहते हैं तो पूर्वोत्तर दिशा सर्वोत्तम है। इससे आपके और आने वाले अतिथि के मन में श्रद्धा और आस्था का भाव जागृत रहता है।
- पारिवारिक सुख और शांति हेतु आप बैठकर रूप में घोसले में अपने बच्चों के साथ बैठी चिड़िया का चित्र भी लगा सकते हैं। यह बहुत ही प्रसन्नता देगा।
- आसमान में उड़ते हुए पक्षियों का चित्र लगाने से भी शांति और खुशी के साथ ही समृद्धि का अहसास होता है, परंतु यह चित्र किसी वास्तु शास्त्री से पूछकर लगाएं।
- यदि आप किसी चित्रकार की पेंटिंग लगाना चाहते हो तो ऐसी पेंटिंग लगाएं जो सुंदर हो और सभी को समझ में आने वाली हो साथ ही जिसमें कई तरह के रंभ भरे हों।

बैठक रूम में कभी भी नकारात्मक चित्र न लगाएं, जैसे ताजमहल, महाभारत या किसी कंाटेदार पौधे का चित्र। जंगली वह हिंसक जानवर, रोते हुए बच्चे, नंगे बच्चे, युद्ध के दृश्य, कटे पेड़ या ढूंठ आदि के चित्र भी न लगाएं। बैठक रूप में कभी भी रेगिस्तान, बर्फिले क्षेत्र, सूखा या न समझ में आने वाली पेंटिग भी न लगाएं। किसी नेता, अभिनेता, अभिनेत्री, कार, बाइक, मॉडल या अपने गुरु का बड़ा–सा चित्र भी न लगाएं। बैठक रूप में खुद का बड़ा–सा पोस्टर भी ना लगाएं। लगाना ही हो तो पूरे परिवार के साथ लगाएं। अभिनेता या नेता के चित्र लगाएंगे तो आपके बच्चे या खुद आप प्रतिदिन उनके ही चेहरे देखते रहेंगे और इससे जीवन में उन लोगों का आपके जीवन पर प्रभाव रहेगा। आपकी पढ़ियां भी उन्हीं से प्रेरित होती रहेगी। घर में आने वाले अतिथियों पर इसका गलत असर पड़ेगा। और भी कई बातें हैं जो सोची जा सकती है क्योंकि मन से ही भविष्य का निर्माण होता है।

प्राचीन काल से अपने भविष्य को जानने की तीन प्रक्रियाएं चलती आ रही है, ज्योतिष शास्त्र, अंक ज्योतिष और हस्त शास्त्र। ऐसा कहा जाता है कि हाथों की लकीरें पढकर एक व्यक्ति को उसके भूतकाल, वर्तमान और भविष्य की जानकारी देने की कला को हस्त अध्यन और हस्त शास्त्र कहते है। ज्योतिष के अनुसार, इंसान की कुंडली या हस्तरेखा में उसके राज छुपे होते है।

हस्तरेखा में छुपे हैं भविष्य के राज

ज्योतिष शास्त्र के अध्ययन में इन बातों का बखान किया गया है। जब भी हम अपनी हस्तरेखा या कुंडली दिखाते है तो सबसे ज्यादा जिज्ञासा इस बात की होती है कि हमारा भविष्य कैसा होगा और हमें कामयाबी मिलेगी या नहीं हस्तरेखा ज्योतिष में हथेली का अध्ययन करके इसका पता लगाया जा सकता है। आपकी हाथों की ये लकीरें क्या कहती है आइए जानते है। ज्योतिष के मुताबिक, 'दाहिना हाथ पुरुषों का पढ़ा जाता है, जबकि महिलाओं का बायां हाथ पढ़ा जाता है।' रेखा शास्त्र में विभिन रेखाओं को दर्शाया गया है जैसे जीवन रेखा, मस्तिष्क रेखा, विवाह रेखा, हृदय रेखा, सूर्य रेखा, भाग्य रेखा आदि आईए हस्त रेखाओं के बारे में जानते है।

जीवन रेखा

जीवन रेखा अंगूठे के नीचे वाले भाग में होती है, यह पहली ऊंगली (इंडेक्स फिंगर) और अंगूठे के मध्य से शुरू होकर मणिबंध तक जाती है। यह रेखा आपके जीवन के साथ साथ जिंदगी में होने वाली घटनाओं के रहस्य खोलती है। रेखा की लंबाई अच्छी सेहत और उसका छोटा होना शारीरक परेशानियों को दर्शाता है।

मस्तिष्क रेखा

यह रेखा जीवन रेखा के पास से शुरू होकर हथेली के दूसरी ओर जाती है। यह रेखा आपके ज्ञान और विज्ञान की जानकारी देती है, अगर यह रेखा लंबी है तो इसका मतलब है कि आप जीवन के निर्णय बहुत सोच समझ कर और समझदारी से लेते है परंतु अगर इसकी लंबाई छोटी है तो इसका अर्थ है कि आप किसी भी निर्णय या फैसले को आसानी से मान लेते हो।

सूर्य रेखा

सूर्य रेखा मध्यभाग में होती है और यह व्यक्ति के रचनात्मक होने की जानकारी देती है और साथ ही में आत्मविश्वास तथा योग्यता के बारे में बताती है।

भाग्य रेखा

इस रेखा का उदगम कलाई से, चंद्र पर्वत से, जीवन रेखा से, मस्तिष्क रेखा या ह्दय रेखा से होता है, यह हथेली के केंद्र में स्थित होती है। इस रेखा द्वारा शिक्षा और कैरियर, हमारी सफलता और विफलता से संबंधित निर्णय और उन निर्णय से होने वाले फल एवं इनमे आने वाली बाधाओं का पता चलता है।

ह्दय रेखा

यह रेखा सबसे छोटी ऊंगली के नीचे वाले बहग से शुरू होकर पहली ऊंगली यानि की इंडेक्स फिंगर के नीचे वाले भाग की ओर जाती है। जिन जातकों की ह्दय रेखा गहरी होगी उनको प्रेम संबंधों में कामयाबी प्राप्त होगी। और जिनकी रेखा फीकी होगी उन्हें प्यार के मामले में भरोसा नहीं करना चाहिए।

विवाह रेखा

यह रेखा सबसे छोटी ऊंगली के निचले हिस्से में जिसे बुध पर्वत कहते हैं वहां आड़ी होती हैं। यह कई जातकों के हाथों में एक तो कई के हाथों में एक से अधिक भी होती है। एक से अधिक विवाह रेखाओं के संदर्भ में वह रेखा मान्य होती है जो सबसे अधिक गहरी और स्पष्ट हो बाकि रेखा संबंधों के बिछडने या टूटने के संकेत देती है। अगर विवाह रेखा ऊपर की तरफ आती हुई ह्दय रेखा से मिले या फिर विवाह रेखा पर तिल हो या क्रॉस का निशान हो तो शादी में बहुत कठिनाइयां होती हैं।

आईपीएल-2024 पंजाब वर्सेस गुजरात

पंजाब किंग्स ने 200 रनों के टारगेट को चेज करते ही रच दिया इतिहास

नईदिल्ली, एजेंसी। गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स के बीच आईपीएल 2024 का 17वां मुकाबला खेला गया। इस मैच को पंजाब किंग्स की टीम ने अपने नाम कर लिया। पंजाब किंग्स ने इस जीत के साथ ही सीजन में अपनी दूसरी जीत दर्ज कर ली है। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला आखिरी ओवर तक खेला गया, जहां पंजाब किंग्स ने युवा खिलाड़ियों की शानदार पारियों को दमपर यह मैच अपने नाम कर लिया। पंजाब किंग्स की जीत के साथ ही वह अंक तालिका में पांचवें स्थान पर भी आ गए हैं।

कैसा रहा मैच का हाल

गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबला के बारे में बात करें तो इस मैच में पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया और इसके बाद जीटी की टीम ने चार विकेट खोकर निर्धारित 20 ओवर में 199 रन बनाए।

इसके बाद मैच के आखिरी ओवर में पंजाब किंग्स ने इस टारगेट को चेज किया। उन्होंने 19.5 ओवर में 7 विकेट खोकर 200 रन बनाए और 3 विकेट से मैच जीत लिया। पंजाब की जीत में युवा खिलाड़ियों का योगदान सबसे ज्यादा रहा, जहां शशांक सिंह ने 29 गेंदों पर सर्वाधिक 61 रनों की पारी खेली। इस पारी के दौरान उन्होंने कुल 6 चौके और 4 छक्के जड़े। इस रन चेज में आशुतोष शर्मा ने शशांक सिंह का साथ निभाया। वहीं जितेश शर्मा ने 16 रनों की छोटी ही सही, लेकिन अहम पारी खेली।

तोड़ डाला मुंबई इंडियंस का रिकॉर्ड

गुजरात टाइटंस ने इस मुकाबले में पंजाब किंग्स को जीत के लिए 200 रनों का टारगेट दिया था। इस टारगेट को रोमांचक अंदाज में चेज करते ही पंजाब किंग्स की टीम ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। आपको बता दें कि उन्होंने आईपीएल में छठी बार 200 रन के टारगेट को चेज किया है। इससे पहले कोई भी टीम ऐसी नहीं थी जिसके 6 बार 200 या उससे ज्यादा के टारगेट को इतनी बार चेज किया होगा। पूरे टी20 क्रिकेट में भी ऐसा करने वाली पंजाब पहली टीम बन गई है। इससे पहले आईपीएल में मुंबई इंडियंस ने 5 बार 200+ रन के टारगेट को चेज किया था उन्होंने इस मामले में अब एमआई को पीछे कर दिया है।

आईपीएल में सबसे ज्यादा बार 200 या उससे ज्यादा रन चेज करने वाली टीमों की लिस्ट

पंजाब किंग्स - 6 बार
मुंबई इंडियंस - 5 बार
चेन्नई सुपर किंग्स - 3 बार
कोलकाता नाइट राइडर्स - 3 बार

जहां तक रोहित शर्मा को जानता हूं, वो मुंबई इंडियंस को लीड करेंगे लेकिन...

नईदिल्ली, एजेंसी। क्या मुंबई इंडियंस के कप्तान के तौर पर वापसी करेंगे या फिर मुंबई इंडियंस का साथ ही छोड़ देंगे?

इन सवालों के जवाब तो समय आने पर ही मिलेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 से पहले मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाकर हार्दिक पांड्या को कप्तान बना दिया और इसके बाद से जो बवाल शुरू हुआ है, वो खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। मुंबई इंडियंस आईपीएल 2024 में इकलौती ऐसी टीम है, जिसने अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है। लगातार तीन हार के बाद हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस पॉइंट्स टेबल में आखिरी पायदान पर है।

कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि आईपीएल 2025 में रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस का साथ छोड़ जाएंगे, वहीं पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा कि लगातार तीन हार के बाद हो सकता है कि मुंबई इंडियंस एक बार फिर से रोहित शर्मा को ही कप्तानी सौंप दे। इन सबके बीच पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत का सोचना तो सबसे ज्यादा अलग है।

मैं बॉलर का नाम नहीं देखता...

शशांक सिंह ने सुनाई जादुई पारी के पीछे की कहानी

नईदिल्ली, एजेंसी। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ गुरुवार को खेले गए मैच में 29 गेंदों पर 61 रनों की नॉटआउट पारी खेली। पंजाब किंग्स के इस बैटर ने गुजरात टाइटन्स के जबड़े से जीत छीनी और फिर मैन ऑफ द मैच भी चुने गए। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 का 17वां मैच गुजरात टाइटन्स वर्सेस पंजाब किंग्स था, जहां आखिरी ओवर में पंजाब किंग्स ने तीन विकेट से जीत दर्ज की। एक समय ऐसा लग रहा था कि पंजाब किंग्स यह मैच हार जाएगा, लेकिन इसके बाद शशांक और आशुतोष शर्मा ने मिलकर मैच का पूरा सीन ही बदल दिया।

दोनों अनकैप्ड खिलाड़ियों ने जिस तरह से गुजरात टाइटन्स के अनुभवी गेंदबाजी की क्लास लगाई, वो देखकर हर कोई बस दंग ही रह गया। शशांक ने मैच के बाद कहा कि वह गेंदबाज का नाम नहीं देखते हैं, बस गेंद देखते हैं और उसके हिसाब से अपने शॉट्स खेलते हैं। मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने के बाद शशांक ने कहा, अभी भी कोशिश कर रहा हूं कि यह अहसास पूरी तरह अंदर समा जाए। मैं इस तरह की चीजों को इमैजिन तो करता हूं लेकिन इस तरह की पारी सच में खेलना बहुत शानदार अनुभव है।

मैं क्रिकेटिंग शॉट्स खेलता हूं। मैं नंबर-7 पर बैटिंग करता हूं, लेकिन इस मैच में मैंने नंबर-5 पर बैटिंग की। बाउंस काफी अच्छा था, दोनों टीमों ने 200 तक रन बनाए, तो विकेट तो अच्छा था। गुजरात टाइटन्स के गेंदबाज लीजेंड्स हैं, लेकिन मैं गेंदबाज का नाम नहीं देखता हूं। मैं गेंद पर रिऐक्ट करता हूं और उसके हिसाब से अपने शॉट्स खेलता हूं। इससे पहले पिछले के पिछले साल सनराइजर्स हैदराबाद से ज्यादा मैच नहीं मिल पाए थे, लेकिन यहां कोचिंग स्टाफ और मैनेजमेंट ने मुझे बैक किया और मैं बहुत कॉन्फिडेंट था।

फिरोजा के खिलाफ अभियान शुरू करेंगे प्रगनानंदा, वैशाली के सामने कड़ी चुनौती

टोरंटो, एजेंसी। टूर्नामेंट के कार्यक्रम को देखते हुए प्रगनानंदा का पलड़ा भारी रह सकता है क्योंकि दूसरा हाफ महत्वपूर्ण रहने की उम्मीद है। भारतीय खिलाड़ी को पहले हाफ में नाकामूरा और कारुआना के अलावा हमवतन गुजराती से काले मोहरों से खेलना है। भारत के स्टार खिलाड़ी आर प्रगनानंदा कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ करेंगे। वहीं, ऑल इंडियन मुकाबले में डी गुकेश और विदित गुजराती आमने-सामने होंगे। गुकेश को शुरुआती हाफ में सफेद मोहरों से खेलते हुए फायदा उठाना होगा। विदित के लिए मोहरों का रंग अधिक मायने नहीं रखता और वह अच्छी स्थिति का फायदा उठाने के लिए जाने जाते हैं। दो सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाले खिलाड़ियों फाबियानो कारुआना और हिकारू नाकामूरा के बीच ऑल अमेरिकी मुकाबला होगा। दिन के एक अन्य मुकाबले में निजात अबासोव की भिड़ंत रूस के इयान नेपोमनियाची से होगी। प्रगनानंदा ने कहा, यह रोमांचक होने वाला है। टाइम कंट्रोल का मतलब है कि हमें घड़ी पर भी नजर रखनी होगी क्योंकि शुरुआती 40 चाल तक समय में कोई इजाफा नहीं होगा।

प्रगनानंदा का पलड़ा भारी

टूर्नामेंट के कार्यक्रम को देखते हुए प्रगनानंदा का पलड़ा भारी रह सकता है क्योंकि दूसरा हाफ महत्वपूर्ण रहने की उम्मीद है। भारतीय खिलाड़ी को पहले हाफ में नाकामूरा और कारुआना के अलावा हमवतन गुजराती से काले मोहरों से खेलना है। युवा भारतीय खिलाड़ी को उलट मुकाबलों में सफेद मोहरों से खेलने को मिलेगा।

वैशाली के सामने हंपी की चुनौती

महिला वर्ग के पहले दौर में भी दो भारतीय खिलाड़ी आर वैशाली और कोनेरू हंपी आमने-सामने होंगी। 21 साल की वैशाली प्रगनानंदा की बड़ी बहन हैं। टूर्नामेंट के 'टाइम कंट्रोल' के अनुसार, दो घंटे में 40 चाल होंगी और बाकी मुकाबले के लिए 30 मिनट का समय होगा जिसमें 41वीं चाल से प्रत्येक चाल के बाद 30 सेकंड जोड़े जाएंगे। रूस की दो खिलाड़ी एलेक्सांद्रा गोरयाचकिना और कैटरीना लेगनो भी पहले दौर में एक-दूसरे से भिड़ेंगी।

विल जैक्स को मौका देगी आरसीबी?

जयपुर, एजेंसी। खराब फॉर्म से जूझ रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और शानदार प्रदर्शन कर रही राजस्थान रॉयल्स दोनों को आईपीएल 2024 के मुकाबले में अपने शीर्षक्रम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। आरसीबी फिलहाल दस टीमों में आठवें स्थान पर है जो उसके खराब प्रदर्शन की बानगी देता है। वहीं रॉयल्स दूसरे स्थान पर है लेकिन उसके शीर्षक्रम ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। आरसीबी के पास शीर्षक्रम में कप्तान फाफ डु प्लेसी, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरून ग्रीन और रजत पाटीदार जैसे शानदार आक्रामक बल्लेबाज हैं लेकिन कोई भी एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका।

विक जैक्स को मौका देगी आरसीबी

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली दो अर्धशतक समेत 203 रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल कर चुके हैं लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिला। पाटीदार ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ 29 रन बनाये लेकिन उनसे इससे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। कैमरून ग्रीन की जगह प्लेइंग इलेवन में विस्फोटक बल्लेबाज विल जैक्स को शामिल किया जा सकता है। मयंक डागर की जगह लेग स्पिनर कर्ण शर्मा को मौका मिल सकता है।

बैडमिंटन : अनमोल सहित पांच भारतीय कजाखस्तान चैलेंजर के क्वार्टर फाइनल में, देविका-अनुपमा का शानदार प्रदर्शन

अस्ताना, एजेंसी। एशिया टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जिताने में मदद करने वाली गत राष्ट्रीय चैंपियन अनमोल ने दूसरे दौर में संयुक्त अरब अमीरात नूरानी रातू अजाहरा 21-11, 21-7 से हराया।

सिहाग ने अजरबैजान के केशा फामिता को 21-12, 21-12 से हराया। 17 साल की बैडमिंटन खिलाड़ी अनमोल खरब सहित पांच भारतीय शटलरों ने कजाखस्तान इंटरनेशनल चैलेंजर के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। अनमोल के अलावा देविका सिहाग, पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन अनुपमा उपाध्याय, सातवीं वरीय तान्या हेमंत और इशारानी बरुआ भी महिला एकल के अंतिम-8 में प्रवेश कर लिया। एशिया टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जिताने में मदद करने वाली गत राष्ट्रीय चैंपियन अनमोल ने दूसरे दौर में संयुक्त अरब अमीरात नूरानी रातू अजाहरा 21-11, 21-7 से हराया। सिहाग ने अजरबैजान के केशा फामिता को 21-12, 21-12 से हराया। अब उनकी टक्कर हमवतन अनुपमा से होगी जिन्होंने चेक गणराज्य की पांचवीं वरीय टेरेजा को पराजित किया। सातवीं वरीय तान्या ने इस्राइल के सेनिया पोलिकारपोवा को 21-11, 21-18 से मात दी। इशरानी ने न्यूजीलैंड के टिफनी हो 21-10, 20-14 से पराजित किया।

साराब' रिश्ते, प्यार और मानसिक परेशानी से उबरने की समझ देगा: सोम्या हुसैन

सोन्या हुसैन अपने नए शो सारब को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। यह शो 6 अप्रैल से जिदंगी डीटीएस पर शाम 7.30 बजे प्रसारित होने वाला है, जिस एक्ट्रेस ने अपने काम करने का अपना अनुभव साझा किए। सारब' दक्षिण एशियाई समुदायों में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सामाजिक सोच और रूढ़ियों के बारे में बात करता है। आपको क्या लगता है किस तरह 'सारब' इस मुद्दे को लेकर बातचीत की शुरुआत कर सकता है और जागरूकता फैला सकता है? 'सारब' में मानसिक स्वास्थ्य की पेचीदगियों को दिखाया गया है। हमारे समाज में होरैन जैसे लोगों को किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, वो इसमें दिखाया जा रहा है। शिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित होरैन के सफर को दिखाकर, इस शो में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कलंक के बारे में खुलकर बात की गई और दर्शकों को उसका मुकाबला करने के लिए प्रेरित किया गया है। इसका लक्ष्य संवेदना और समझ विकसित करना है, जिससे आखिरकार मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को लेकर संवेदनशील और समझदारी भरा तरीका अपनाने की ही प्रेरणा मिलेगी।

मानुषी छिल्लर श्रद्धा कपूर और कृति सेनन के साथ नो एंट्री में में होंगी शामिल?

मानुषी छिल्लर अपनी उपलब्धि में एक और इजाफा करने के लिए तैयार हैं। ऑपरेशन वेलेंटाइन, बड़े मियां छोटे मियां और पीरियड-ड्रामा सम्राट पृथ्वीराज जैसी एक्शन फिल्मों के बाद, मानुषी कथित तौर पर एक कॉमेडी फिल्म में एक्टिंग करने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मानुषी छिल्लर, श्रद्धा कपूर और कृति सेनन के साथ, नो एंट्री में एंट्री की प्रतिष्ठित स्टार कास्ट में शामिल होंगी, जो 2005 की फिल्म नो एंट्री का सीक्वल है। सूत्रों से पता चला है कि मानुषी अर्जुन कपूर, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी, जो सीक्वल में मुख्य भूमिका अदा करेंगे। इस साल की शुरुआत में घोषित इस प्रोजेक्ट में मानुषी की कृति और श्रद्धा के साथ न सिर्फ उनकी पहली ऑन-स्क्रीन उपस्थिति होगी बल्कि यह पहली बार है, जब एक्ट्रेस अर्जुन, वरुण और दिलजीत के साथ जोड़ी बनाती हुई दिखाई देंगी।

हैदराबाद में राशि खन्ना ने खरीदा तीसरा घर, किया गृहप्रवेश

एक्ट्रेस राशि खन्ना ने हैदराबाद में अपना तीसरा घर खरीदा है। उन्हें हाल ही में रिलीज हुई फिल्म योद्धा के लिए काफी पॉजिटिव फीडबैक मिल रहा है। एक्ट्रेस अपने परिवार और दोस्तों के साथ गृहप्रवेश समारोह के लिए हैदराबाद गई। तस्वीरों में एक्ट्रेस को इंडियन आउटफिट में गृहप्रवेश करते हुए देखा जा सकता है। उनके साथ उनकी मां और उनके कुछ करीबी रिश्तेदार भी हैं। उन्होंने पहले हैदराबाद में दो घर खरीदे थे, एक 2015 में और दूसरा 2017 में।

पाक एक्ट्रेस माहिरा खान ने शेयर किया शादी का किस्सा

किस्तानी एक्ट्रेस माहिरा खान ने अपनी शादी से जुड़ा एक मजेदार किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा- मेरी शादी में डीजे, वेटर समेत सभी रो रहे थे। वेडिंग वेन्यू पर एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं था, जिसकी आंखें नम न हो। हर कोई रो रहा था। उन्होंने कहा- मैं वेटर और बाकी सभी को देखकर बहुत शॉक्ड थी, मुझे लगा ये सब क्या हो रहा है। माहिरा खान ने एक अक्टूबर 2023 को अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड सलीम करीम से शादी कर ली। ये माहिरा की दूसरी शादी है। उन्होंने पाकिस्तान के भुरबन शहर में स्थित पर्ल कॉन्टिनेंटल होटल में निकाह किया। इस शादी में माहिरा का 14 साल का बेटा भी उनके साथ मौजूद था। माहिरा की पहली शादी साल 2007 में हुई थी। 2015 में तलाक हो गया। माहिरा के बेटे अजलान का जन्म साल 2009 में हुआ था।

प्रेग्नेंसी की खबरों को झुठलाया

शादी के बाद माहिरा खान की प्रेग्नेंसी की खबरें सामने आई थीं। लेकिन माहिरा ने इन खबरों को झुठलाते हुए कहा- ओह, मैं प्रेग्नेंट नहीं हूं। ये कोई अनोखी बात नहीं है लेकिन फिलहाल ये सिर्फ एक अफवाह है। मुझे नहीं पता कि ये बातें कहां से आईं। उन्होंने कहा- शायद ऐसा इसलिए है, क्योंकि मेरा वजन बढ़ गया है। फिल्म छोड़ देने की अफवाह पर भी माहिरा ने विराम लगाया। उन्होंने कहा- मैंने कोई फिल्म नहीं छोड़ी है। माहिरा, शाहरुख खान के साथ 2017 की फिल्म रईस में नजर आई थीं।

सद्भावना पाती

इंदौर, शनिवार 06 अप्रैल, 2024

संक्षिप्त समाचार

औद्योगिक अल्कोहल को विनियमित करने का अधिकार हमारे पास, केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में किया दावा

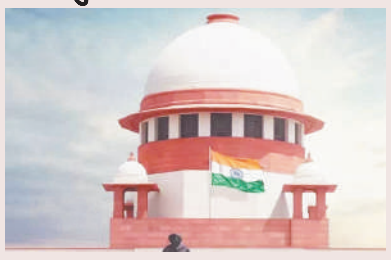

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के सामने औद्योगिक अल्कोहल को विनियमित करने के अपने अधिकार का दावा किया। कहा कि औद्योगिक उपयोग के अल्कोहल पर उत्पाद शुल्क लगाने की विधायी शक्ति विशेष रूप से संसद के पास है। पीने योग्य शराब का मामला राज्य के पासः केंद्र अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ जजों की संविधान पीठ के सामने कहा कि मानव उपयोग के लिए उपयुक्त शराब और मानव उपयोग के लिए अनुपयुक्त शराब को अलग-अलग मानने का निर्णय बहुत सोच-समझकर लिया गया था। मानव उपयोग के लिए उपयुक्त शराब का मामला राज्य विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है, जबकि मानव उपयोग के लिए अनुपयुक्त (नहीं पीने योग्य) शराब का मामला संसद के अधिकार क्षेत्र का विषय है। इस मामले पर सुको में चल रही सुनवाई मालूम हो कि प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली संविधान पीठ औद्योगिक अल्कोहल के उत्पादन, विनिर्माण, आपूर्ति और विनियमन में केंद्र और राज्यों की शक्तियों के मुद्दे की सुनवाई कर रही है।

2000 या अधिक टेस्ट कराने वाले देशों में भारत में डोपिंग के मामले सर्वाधिक

नई दिल्ली , एजेंसी। विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2000 या अधिक नमूनों की जांच कराने वाले देशों में 2022 टेस्टिंग आंकड़ा रिपोर्ट के अनुसार भारत में डोपिंग टेस्ट में नाकाम रहने के मामले सर्वाधिक हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका दूसरे स्थान पर है। वाडा ने बुधवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि भारत में 3865 नमूनों (मूत्र और रक्त दोनों) की जांच की गई जिनमें से 125 पॉजिटिव रहे जो नमूनों की संख्या का 3-2 प्रतिशत है। नमूनों की जांच के मामले में भारत 11वें स्थान पर है, लेकिन डोपिंग के मामले रूस (85), अमेरिका (84), इटली (73) और फ्रांस (72) जैसी खेल महाशक्तियों से अधिक है। दक्षिण अफ्रीका ने 2023 नमूनों की जांच की जिसमें से 2.9 प्रतिशत पॉजिटिव रहे। तीसरे स्थान पर कज़ाख़स्तान है जिसके 2174 नमूनों में से 1.9 प्रतिशत पॉजिटिव निकले।

हाईकोर्ट बोली- जेएनयू ने नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का मजाक उड़ाया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक छात्र के निष्कासन को रद्द करते हुए कहा है कि यह चिंता का विषय है कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय जैसे प्रमुख संस्थान ने नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का मजाक उड़ाते हुए उसके खिलाफ पूर्व निर्धारित इरादे से काम किया। इस छात्र को आपत्तिजनक वीडियो रखने के कारण 2011 में जेएनयू से निष्कासित कर दिया गया था। इस मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति सी हरि शंकर ने विश्वविद्यालय को निर्देश दिया कि यदि छात्र अनुरोध करता है तो उसे अपना पाठ्यक्रम सर्वोत्तम तरीके से पूरा करने की अनुमति दी जाए। घटना के वक्त याचिकाकर्ता बलबीर चंद मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन पाठ्यक्रम के दूसरे वर्ष का छात्र था। उसे उसके निजी लैपटॉप में कुछ ऐसी कथित आपत्तिजनक सामग्री पाए जाने के बाद फरवरी 2011 में निष्कासित कर दिया गया था।

दुश्मनों की अब खैर नहीं, सेना के एयर डिफेंस को अचूक बनाने के लिए आकाशतीर तैनात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना ने अपने एयर डिफेंस सिस्टम को और मजबूती देने की दिशा में अहम कदम बढ़ाते हुए अपने कमांड और कंट्रोल सिस्टम में अत्याधुनिक हाईटेक प्रणाली को शामिल करना शुरू कर दिया है। सेना ने एयर डिफेंस सुरक्षा को नई चुनौतियों के हिसाब से मजबूती देने के लिए गुरूवार को आकाशतीर कमांड और कंट्रोल सिस्टम को भारतीय सेना के एयर डिफेंस कोर में शामिल करने के साथ इसकी शुरूआत की गई।

भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड के गाजियाबाद प्रतिष्ठान से आकाशतीर के पहले बैच को एयर डिफेंस नियंत्रण केंद्रों के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। आत्मनिर्भर भारत पहल के हिस्से के रूप में बीईएल द्वारा विकसित आकाशतीर परियोजना सेना के एयर डिफेंस प्रणाली की संचालन दक्षता और एकीकरण को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा।

सैन्य सूत्रों के अनुसार, सेना के एयर डिफेंस के लिए आकाशतीर परियोजना एक ऐसी अत्याधुनिक पहल है जिसमें पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर वायु रक्षा नियंत्रण और रिपोर्टिंग प्रक्रियाओं को आटोमेटिक संचालन के लिए डिजाइन किया गया है। आधुनिकीकरण के नए दौर से कदम ताल करने के लिए सेना ने वर्ष 2024 को तकनीकी समावेशन का वर्ष घोषित किया है और वह विशिष्ट प्रौद्योगिकी व प्रणालियों को शामिल करने को गति दे रही है।

आकाशतीर नियंत्रण केंद्रों को शामिल करना भारतीय सेना द्वारा नए दौर के लिए किए जा रहे बदलावों की दिशा में प्रमुख मील के पत्थरों में से एक है। यह सिस्टम सेना के जटिल वायु रक्षा अभियानों की वर्तमान ही नहीं भविष्य की जरूरतों को भी पूरा करेगा। आकाशतीर की विशेषता यह है कि सभी स्तरों पर रडार और संचार प्रणालियों को एक एकीकृत नेटवर्क में एक करके लक्ष्य की अभूतपूर्व स्तर की पहचान कर सजग नियंत्रण प्रदान करना है। इसकी त्वरित सटीकता शत्रुतापूर्ण लक्ष्यों पर तेजी से हमला करने में सक्षम है। यह सेना को एक मजबूत वायु रक्षा प्रणाली प्रदान करेगा जिससे वह संभावित हवाई खतरों से महत्वपूर्ण संपत्तियों, सैनिकों और बुनियादी ढांचे की बेहतर रक्षा कर सकेगी। आकाशतीर प्रणाली एकीकरण सेना को विभिन्न रडार, नियंत्रण केंद्रों और जमीन-आधारित हथियार प्रणालियों के डेटा को मिलाकर अपने वायु रक्षा अभियानों को अनुकूलित करने की अनुमति देगा। यह केंद्रीकृत रणनीति अधिक प्रभावी निर्णय लेने और हवाई खतरों पर तेजी से प्रतिक्रिया करने की अनुमति देगी, जिससे भारत की समग्र रक्षा स्थिति को बढ़ावा मिलेगा। सैन्य सूत्रों के अनुसार, आकाशतीर का एक उल्लेखनीय पहलू गतिशीलता और लचीलेपन पर जोर है। यह सुनिश्चित करने के लिए इसके सिस्टम के नियंत्रण केंद्र वाहन-आधारित और मोबाइल बनाए गए हैं। ताकि चुनौतीपूर्ण संचार वातावरण में भी इसकी संचालन क्षमताएं प्रभावित न हो और इन्हें जरूरत के हिसाब से एक से दूसरे जगह पर आसानी से ले जाया जा सके। आकाशतीर प्रणाली एयर डिफेंस संचालन के पूर्ण स्वचालन की उपलब्धि को सुविधाजनक बनाने के साथ भारत के एयर डिफेंस मोड को उन्नत बनाएगी।

मालकिन शबीना का सचिन से था रिश्ता, खान साहब को पता चला तो कर दिया खून

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के एक रेस्टोरेंट में वेटर का काम करने वाले सचिन की हत्या में बेहद चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। हत्या का आरोप उसके पूर्व मालिक पर लगा जिसकी पत्नी से कथित तौर पर सचिन के अवैध संबंध बन गए थे। पुलिस हत्या के आरोप में आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोप है कि कनॉट प्लेस के एक रेस्टोरेंट में काम करने वाले सचिन की हत्या हशीब खान नाम के शख्स ने कर दी। उसने अपनी पत्नी पर दबाव डालकर उसे बुलाया और फिर उसकी जान ले ली। पुलिस के मुताबिक, दिल्ली के संगम विहार में टी-शर्ट मैन्युफ्चरिंग यूनिट चलाने वाले 31 साल के हशीब खान और उसकी पत्नी शबीना बेगम को गिरफ्तार कर लिया गया है। सचिन पिछले रविवार को कनॉट प्लेस से लापता हो गया था।

डीसीपी देवेश कुमार के मुताबिक परिवार की ओर से शिकायत मिलने पर सचिन के अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया था। कॉल डिटेल से पता चला कि उसकी लोकेशन संगम विहार में हैं। इसके बाद हशीब खान से संपर्क किया गया जिसकी फैक्ट्री में सचिन पहले काम करता था। तहकीकात में पुलिस को पता चला कि सचिन ने हशीब से दो लाख रुपए उधार लिए थे। हशीब और उसकी पत्नी से पूछताछ में पता चला कि महिला और मृतक के बीच अवैध संबंध बन गया था। हशीब को उसकी खबर मिल गई थी। उसने अपनी बेगम पर सचिन को बुलाने का दबाव बनाया। घर बुलाकर हशीब ने सचिन की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। शव को कार में डालकर डासने इलाके के जंगल में फेंक आया।

सचिन जब घर नहीं लौटा तो घर वालों ने फोन मिलाया। लेकिन फोन स्विच ऑफ था। इसके बाद उन्होंने पुलिस को शिकायत दी। सचिन संगम विहार की फैक्ट्री में एक साल से अधिक समय तक काम कर चुका था। उसका हशीब से लेनदेन को लेकर भी विवाद था। बताया जाता है कि वह एक लाख रुपए वापस कर चुका था।

6 हजार पुलिसकर्मी तैनात, जमीन से लेकर आसमान तक निगरानी; पीएम की सुरक्षा के कड़े इंतजाम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री का रोड शो के लिए पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा खाका तैयार कर लिया है। सुरक्षा व्यवस्था में छह हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। आंबेडकर रोड पर हाई अलर्ट जारी करते हुए अर्द्धसैनिक बलों की आठ कंपनियों को तैनात किया जाएगा। खुराफातियों पर नजर रखने के लिए 300 दूरबीनों और पांच ड्रोन से निगरानी की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आगामी छह अप्रैल को आंबेडकर रोड पर मालीवाड़ा से चौधरी मोड़ तक रोड शो निकालना प्रस्तावित है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस रूट को 60 सेक्टरों में बांटा गया है। हर सेक्टर पर प्रभारी के तौर राजपत्रित अधिकारी की ड्यूटी लगाई गई है। पुलिस जमीन से लेकर आसमान तक निगरानी रखेगी। सड़क के दोनों तरफ पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के जवान तैनात होंगे तो वहीं, मकानों और दुकानों की छतों पर भी जवान तैनात रहेंगे। सूत्रों का कहना है कि आंबेडकर रोड के एक तरफ वीवीआईपी का काफिला रहेगा तो दूसरी तरफ दर्शकदीर्घा में लोग मौजूद रहेंगे। भीड़ के बीच सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी भी तैनात रहेंगे। यह जवान भीड़ में असामाजिक गतिविधियां करने वाले लोगों पर पैनी नजर रखेंगे। इस भूमिका में रहने वाले पुलिसकर्मियों की छंटनी की गई है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर एलिवेटेड रोड और राजनगर एक्सटेंशन में गुरुवार को जीडीए और नगर निगम की टीम ने सफाई की तो वहीं पुलिस ने वैकल्पिक रूट का सर्वे किया। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर तीन रूट चिह्नित किए गए हैं, जिनमें एक रूट विकल्प के रूप में एलिवेटेड रोड से यूपी गेट होते हुए दिल्ली जाने का है। गुरुवार को पुलिसकर्मी एलिवेटेड रोड पर रूट का सर्वे करते दिखे।

बहुत बुरा लगा; केजरीवाल की तस्वीर लगाए जाने पर भगत सिंह के पोते नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी। भगत सिंह के पोते युद्धविंदर सिंह ने शहीद-ए-आजम के साथ अरविंद केजरीवाल की तुलना पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह देखकर उन्हें और भगत सिंह के प्रेमियों को बहुत बुरा लगा है। युद्धविंदर सिंह ने आम आदमी पार्टी से भविष्य में ऐसा नहीं करने की अपील की है। उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी करके अपनी प्रतिक्रिया दी है। अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल की प्रेस कॉन्फ्रेंस में भगत सिंह और बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के बीच आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल की तस्वीर नजर आई थी।

दो महापुरुषों के बीच शराब घोटाले के केस में जेल गए केजरीवाल की तस्वीर दिखने पर विवाद खड़ा हो गया। भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। भाजपा ने इसे भगत सिंह और अंबेडकर का अपमान बताया। वहीं, आम आदमी पार्टी ने यह कहकर अपना बचाव किया कि केजरीवाल भगत सिंह की तरह ही तानाशाही के खिलाफ लड़ रहे हैं और इसलिए जेल गए हैं। अब भगत सिंह के पोते ने भी इस तुलना पर नाराजगी जाहिर की है। युद्धविंदर सिंह ने एक वीडियो संदेश में कहा, यह देखकर बहुत बुरा लगा। आम आदमी पार्टी को इस तरह नहीं करना चाहिए। किसी भी राजनेता को भगत सिंह और अंबेडकर जी के साथ अपनी तुलना नहीं करनी चाहिए। अपनी व्यक्तिगत राजनीति अपनी तरह करें, लेकिन इन महान लोगों से तुलना नहीं करनी चाहिए। हम इनके दिखाए रास्तों पर चलने का प्रयास कर सकते हैं। मुझे पूरे भारतवर्ष से प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। भगत सिंह और बाबा साहेब के प्रेमियों को बहुत बुरा लगा है कि उनके साथ अरविंद केजरीवाल जी की तुलना की गई है। भविष्य में आम आदमी पार्टी इससे बचे। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी भगत सिंह और बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के विचारों पर चलने का दावा करती है। दिल्ली सरकार के दफ्तरों में दोनों महापुरुषों की तस्वीर लगाई गई है। इस बीच केजरीवाल का वह वीडियो भी भाजपा नेता वायरल कर रहे हैं जिसमें उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है कि अब दिल्ली सरकार के दफ्तरों में भगत सिंह और बीआर अंबेडकर की तस्वीरें लगाई जाएंगी, किसी नेता या मुख्यमंत्री की तस्वीर नहीं लगाई जाएगी। अरविंद केजरीवाल को कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। एक अप्रैल को कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। केजरीवाल फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। आम आदमी पार्टी केजरीवाल को सलाखों के पीछे दिखाकर अपने लिए सहानुभूति बटोरने की कोशिश कर रही है।

ईरान के बदला लेने के संकल्प के बाद इजरायल ने बढ़ाई अपनी सुरक्षा, सैन्यकर्मियों को अलर्ट पर रहने का निर्देश

यरुशलम , एजेंसी। दमिश्क में ईरानी दूतावास पर हवाई हमले के बाद ईरान के बदला लेने का संकल्प जताए जाने से इजरायल ने अपनी सुरक्षा बढ़ा दी है। सैन्यकर्मियों की छुट्टियां रद कर दी गई हैं और उन्हें अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया गया है।

वैसे सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले के बाद से इजरायली सेना अलर्ट पर है और तीन लाख आरक्षित सैनिकों को भी बुला लिया गया है लेकिन ईरान के संकल्प जताने के बाद सतर्कता का स्तर बढ़ा दिया गया है। सोमवार को हुए हवाई हमले में ईरानी दूतावास में तैनात ईरान के दो जनरल मारे गए थे। हमले का शक इजरायल पर जताया गया है। गाजा में तीन ब्रिटिश राहतकर्मियों की इजरायली हमले में मौत के बाद ब्रिटेन के न्यायाधीशों और खुफिया विशेषज्ञों ने इजरायल को हथियारों की बिक्री रोकने की मांग सरकार से की है। 600 से ज्यादा कानूनी व्यवसाय से जुड़े लोगों और खुफिया विशेषज्ञों ने ब्रिटेन सरकार से गाजा में हो रहे नरसंहार से दूर हो जाने के लिए कहा है। इजरायल को हथियारों की बिक्री रोके जाने की मांग कई अन्य यूरोपीय देशों में भी उठ रही है। इस बीच इजरायल ने कहा है कि सात राहतकर्मियों को मारे जाने की घटना की जांच पूरी होने में कई हफ्ते का समय लग सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने हमले की घटना की जांच त्वरित गति से पूरा करने और हमले के लिए जिम्मेदारी तय करने के लिए कहा है।

गाजा में मारे गए सहायता कर्मियों पर अमेरिका ने जताई चिंता, जो बाइडन ने बेंजामिन नेतन्याहू से की बात

वॉशिंगटन , एजेंसी। गाजा में मानवीय मदद पहुंचा रहे कार्यकर्ताओं पर हो रहे हमले पर अमेरिका ने चिंता जाहिर की है। गुरुवार को इस मामले पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की।

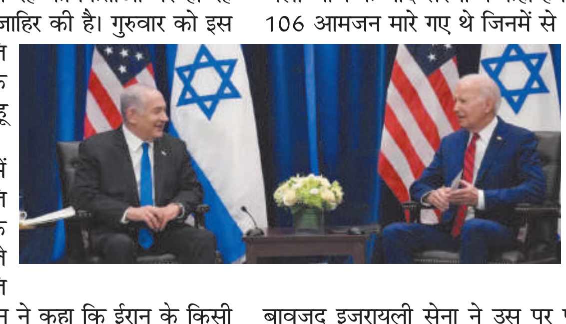

दोनों नेताओं ने गाजा में स्थिति पर चर्चा की। राष्ट्रपति बिडेन ने जोर दिया कि मानवीय कार्यकर्ताओं पर हमले और समग्र मानवीय स्थिति अस्वीकार्य है।वहीं, जो बाइडन ने कहा कि ईरान के किसी भी हमले के खिलाफ अमेरिका इजरायल के साथ खड़ा है।

इजरायल ने कुछ दिनों पहले गाजा में लोगों को खाना प्रदान कर रहे वर्ल्ड सेंट्रल किचन सहायता कर्मियों की पर हमले किए, जिसमें कई लोग मारे गए। नेतन्याहू ने मंगलवार को कहा कि इजराइली बलों ने गाजा पट्टी में अनजाने लोगों पर हमला किया था। वहीं, मानवाधिकारों के लिए कार्य करने वाली अमेरिकी संस्था ह्यूमन राइट्स वाच ने 31 अक्टूबर, 2023 को गाजा के एक बहुमंजिला भवन पर हमले को इजरायल का युद्ध अपराध करार दिया है। हफ्तों चली जांच के बाद संस्था ने कहा है कि इस हमले में कुल 106 आमजन मारे गए थे जिनमें से 54 बच्चे थे।

गुरुवार को अपनी जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक करते हुए संस्था ने कहा कि इस भवन में किसी भी लड़ाके के छिपे होने या उनका अड्डा होने के सबूत नहीं थे, इसके बावजूद इजरायली सेना ने उस पर पूरी ताकत से हमला किया। करीब छह महीने से जारी गाजा युद्ध में अभी तक 33 हजार फलस्तीनी मारे गए हैं, इनमें दो तिहाई महिलाएं और बच्चे हैं। गाजा में आमजनों के मारे जाने पर इजरायल का सबसे बड़ा सहयोगी अमेरिका, यूरोपीय देश और संयुक्त राष्ट्र कई बार चिंता जता चुके हैं। लेकिन इजरायली सेना के हमलों में कमी नहीं आई है। मंगलवार को हुए ऐसे ही एक हमले में बेघरों को खाना देने जा रहे सात राहतकर्मी मारे गए थे।

रमजान में भिड़े दो देश, सुन्नी आतंकियों के हमले में 11 की गई जान

तेहरान, एजेंसी। पाकिस्तान से सटे ईरान के दक्षिण-पूर्वी इलाके में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स मुख्यालय पर सुन्नी मुस्लिम आतंकियों के हमलों में कम से कम 11 ईरानी सुरक्षा बल मारे गए हैं। ईरान के आंतरिक मामलों के उप मंत्री माजिद मिरहमादी ने गुरुवार को बताया कि ईरान के बॉर्डर गार्ड्स से संबंधित चाबहार और रस्क में रिवोल्यूशनरी गार्ड्सके बेस को निशाना बनाया गया। दोनों ही ठिकाने अशांत सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में हैं। सिस्तान- बलूचिस्तान अफागनिस्तान-पाकिस्तान से सटा इलाका है। इस आतंकी हमले के बाद दो पड़ोसी इस्लामिक देश यानी ईरान और पाकिस्तान एक बार फिर आमने-सामने हैं।

ईरान की सरकारी मीडिया ने कहा है कि आतंकी संगठन जैश अल-अदल समूह और ईरानी सुरक्षा बलों के बीच चाबहार और रस्क शहरों में रात भर झड़पें हुई हैं। उप आंतरिक मंत्री माजिद मिरहमादी ने बताया, ईरानी बलों ने आतंकवादियों को चाबहार और रस्क में गार्ड मुख्यालय पर कब्जा करने से रोक दिया और उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया।

ईरान में मृतकों की संख्या लगभग उतनी ही है जितनी दिसंबर में इसी तरह के हमले में हुई थी। दिसंबर में भी हुए इस तरह के हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन जैश अल-अदल समूह ने ली थी। उसके बाद ईरान ने पड़ोसी पाकिस्तान पर जैसे को तैसा रणनीति के तहत हवाई हमले किए थे। ये हमले उसी सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में हुए हैं, जो वर्षों से

नशीली दवाओं की तस्करी करने वाले गिरोहों, बलूची अल्पसंख्यक विद्रोहियों और सुन्नी मुस्लिम आतंकियों के हमलों का सामना कर रहा है।

ईरान ने इस घटना का आतंकी हमला करार दिया है। ईरान की सरकारी मीडिया ने कहा है कि जवाबी हमले में तीन आतंकी मारे गए हैं और एक घायल हुआ है। सरकारी मीडिया के अनुसार आतंकियों ने चाबहार में एक पुलिस थाने पर भी हमला बोला है। बता दें कि जैश अल-अदल समूह ने पिछले कुछ सालों में ईरानी बलों पर करीब एक दर्जन छोटे-बड़े हमले किए हैं।

पिछले साल दिसंबर में भी पाकिस्तान में पल रहे जैश अल-अदल आतंकी संगठन ने सिस्तान-बलूचिस्तान इलाके में ईरानी सैन्य बलों पर हमला किया था, इसके बाद ईरान ने पाकिस्तान पर मिलसाइल दागे थे। तब पाकिस्तान ने कहा था कि ईरान की ओर से दागी गई मिसाइल की चपेट में आने से दो बच्चों की मौत हुई हौ और तीन घायल हुए थे।

ईरान लंबे समय से इस आतंकी संगठन पर आरोप लगाता रहा है कि इसके सदस्य सीमा पार करके ईरान में घुसते हैं और उनके सुरक्षाकर्मियों की हत्या करते हैं। जैश अल-अदल एक सुन्नी चरमपंथी समूह है। ये संगठन खुद को ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में सुन्नी अधिकारों का रक्षक बताता है। अब जब रमजान चल रहा है।

ताइवान में नर्सेस ने नवजात बच्चों को बचाया

जान जोखिम में डालकर बच्चों की रक्षा की

ताइपे, एजेंसी। बीते बुधवार को भूकंप के तेज झटकों से पूरा ताइवान हिल गया. कई ऊंची-ऊंची इमारतें ढह गईं तो कई लोग भी मारे गए. इस बीच एक अस्पताल की नर्सों ने दिल छू लेने वाला काम किया. उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बगैर अस्पताल में मौजूद नवजात बच्चों की जान बचाई. हाल के दिनों में दुनिया के कई देशों में भूकंप की घटनाएं देखने-सुनने को मिली हैं. वैसे तो छोटे-छोटे भूकंपों से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता, लेकिन भूकंप अगर तगड़ा हो तो फिर पूरा का पूरा शहर ही बर्बाद हो जाता है. ताइवान में भी बीते बुधवार को एक विनाशकारी भूकंप आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7.2 मापी गई. ये भूकंप इतना तगड़ा था कि कई गगनचुंबी इमारतें ढह गईं. यहां तक कि जापान के दो आइलैंड्स पर सुनामी भी आ गई. वैसे तो भूकंप आने के बाद लोग अपने-अपने घरों से बाहर भागने में बिजी थे, लेकिन कुछ ऐसे भी लोग थे, जो दूसरों की जान बचाने की कोशिश कर रहे थे. ऐसा ही एक वीडियो आजकल सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. दरअसल, इस वीडियो में दिखाया गया है कि अस्पताल में काम कर रहीं नर्सें भूकंप आने के बाद तेजी से उस कमरे में आती हैं, जहां नवजात बच्चों को रखा गया था.

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पता:- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।